हरियाणा विधान सभा

की

कार्यवाही

28 फरवरी, 1989

खण्ड 1, अंक 6

अधिकृत विवरण

विषय सूची

मंगलवार, 28 फरवरी, 1989

पृष्ठ संख्या

तारांकित प्रश्न एवं उत्तर	(6) 1
नियम 45 के अधीन सदन की मेज पर रखे गए तारांकित प्रश्नों के लिखित उत्तर	(6) 26
अतारांकित प्रश्न एवं उत्तर	(6) 33

ध्यानाकर्षण प्रस्ताव–	
उबूआ, नवादा, भाकरी, फिरोजगाधी नगर, जवाहर कालोनी तथा एन० आई० टी० सैक्टर 3,2,1, बल्लभगढ़ आदि के निवासियों द्वारा कठिनाइयों का सामना करने सम्बन्धी	(6) 39
वक्तव्य–	
सिंचाई तथा बिजली मन्त्री द्वारा उपरोक्त ध्यानाकर्षण प्रस्ताव सम्बन्धी	(6) 40
सदन की मेज पर रखे गए कागज–पत्र	(6) 42
वर्ष 1988–89 के सप्लीमैंटरी ऐस्टिमेट्स पेश करना?	(6) 42
ऐस्टिमेट्स कमेटी की वर्ष 1988–89 के सप्लीमैंटरी ऐस्टिमेट्स पर रिपोर्ट पेश करना	(6) 43

हरियाणा विधान सभा

मंगलवार, 28 फरवरी, 1989

विधान' सभा की बैठक, हरियाणा विधान सभा हाल, विधान भवन, सैक्टर– 1, चण्डीगढ़ में प्रातः 9.30 बजे हुई। अध्यक्ष (सरदार हरमोहिन्दर सिंह चट्ठा) ने अध्यक्षता की।

तारांकित प्रश्न एवं उत्तर

श्री अध्यक्षः मैम्बर साहैंबान, अब सवाल होंगे

Land Erosion

669. Shri Rattan Lal Kataria : Will the Minister for Revenue be pleased to state the total area of land, if any, eroded in the border areas of the State due to recent floods in Yamuna River togetherwith the steps taken by the Government to check the said soil erosion ?

Revenue Minister (Shri Suraj Bhan) : 1262.24 hectares of land were eroded due to recent floods in Yamuna River. 50 schemes costing Rs. 878.65 Lacs have been approved by the State Flood Control Board for checking soil erosion and protecting the village abadies and agricultural land along river Yamuna. These will be implemented keeping in view the priorities and availability of funds.

श्री रत्न लाल कटारियाः अध्यक्ष महोदय, मैं मन्त्री महोदय से जानना चाहता हूं कि क्या हरियाणा प्रदेश में जो कटाव बाढ़ के दिनों हुआ है उसका कारण यह तो नहीं है कि यू० पी०

सरकार ने यमुना नदी पर अपने एरिया में बांध अधिक मजबूत बना लिए हैं जिसके कारण हमारे बांध उन बांधों के सामने कमजोर पड़ गए हैं? यू० पी० सरकार ने ये बांध इन्टर स्टेट वाटर कमीयन के जो नौर्म्ज फिक्स किए हुए हैं उन से पीछे हट कर बनाये हैं। क्या सरकार अपने बांधों को शक्ति शाली बनाने के लिए कोई उपाय कर रही है?

श्री सूरज भानः स्पीकर सर, इन्होंने अपने सवाल में दो–तीन बातें पूछ ली हैं। यह ठीक है कि बारिश और बाढ़ ज्यादा आने की वजह से इस साल हमारी भूमि पर अधिक कटाव हुआ है। इसका एक कारण यह भी सही है कि जो स्टैण्डर्ड निर्धारित किया हुआ है उससे पीछे हट कर यू० पी० सरकार ने अपने एरिया में बांध अधिक मजबूत बना लिए हैं जिसके कारण ऐसा हुआ है। इस बारे में मैं अपने साथी को बतलाना चाहूंगा कि ज्यों ही हमें पैसा मिलेगा हम अपने एरिया में मजबूत बांध बनाने का काम शुरू कर देंगे ताकि हमारी जमीन का कटाव आगे न हो पाये।

श्री रत्न लाल कटारियाः स्पीकर साहब, मन्त्री जी ने भी माना है कि यू० पी० सरकार ने नौर्म्ज से पीछे हट कर अपने एरिया में मजबूत बांध बनाये हैं। मैं मंत्री जी से जानना चाहता हूं कि क्या हरियाणा सरकार भारत के संविधान के आर्टिकल 262 जो ऐसे मामलों से संबंधित है, के तहत इस मामले को वाटर कमीशन के साथ उठायेगी?

श्री सूरज भानः अध्यक्ष महोदय, जो बांध उन्होंने बना लिए हैं उनको तो गिरवाना मुश्किल होगा। हां यह ठीक है कि जब हमें पैसा मिल जायेगा तो बांध बनाने का काम शुरू कर दिया जायेगा।

श्री भाग मलः अध्यक्ष महोदय, गांव माण्डेलवाला से भी यमुना नदी गुजरती है। उस गांव में यमुना नदी ने अपना कोर्स चेन्ज कर लिया है जिसके कारण उस गांव को यमुना नदी से वारिश के दिनों में खतरा पैदा हो गया है। मैं मन्त्री जी से जानना चाहता हूं कि क्या वहां पर कोई बांध बनाया जायेगा?

श्री सूरज भानः अध्यक्ष महोदय, जिन दिनों बाढ़ आई थी उन दिनों मैं खुद गांव माण्डेलवाला में भी गया था और वहां के लोगों ने मांग की थी कि जब तक वहां पर बांध नहीं बनाया जायेगा तब तक यह समस्या बनी रहैंगी। उस समय मेरे साथ इरीगेशन और दूसरे विभागों के अधिकारी भी थे। पैसा उपलब्ध होने पर ही वहां पर बांध बनाया जा सकता है।

श्री उदय भानः अध्यक्ष महोदय, मंत्री जी ने बताया है कि इस काम के लिए 878.65 लाख रुपये मन्जूर किए हुए हैं। मैं मन्त्री जी से जानना चाहता हूं कि क्या मौनसून आने से पहले पहले जहां पर काम शुरू किया जाना है, काम शुरू करा दिया जायेगा? दूसरा मेरा सवाल यह है कि फरीदाबाद जिले के लिए इस पैसे में से कितना पैसा मन्जूर किया गया है?

श्री सूरज भानः स्पीकर सर, अभी तक तो केवल पैसे की मन्जूरी हुई है। इसमें से कितना पैसा कब किस जिले को मिलेगा इस बारे में तो आई० पी० एम० साहब ही बता पायेगे।

श्री हीरा नन्द आर्यः अध्यक्ष महोदय, मैं मंत्री जी से जानना चाहता हूं कि जो ऐसी 50 योजनाएं स्वीकृत की गई हैं क्या उन में से किसी एकाध पर काम शुरू किया गया है? मंत्री महोदय ने 'अपने लिखित उत्तर में यह कहा है कि धन की भी कमी है। मैं जानना चाहता हूं कि क्या इस धन की कमी को पूरा करने के लिए हरियाणा सरकार ने केन्द्रीय सरकार के साथ कोई खत्तो–किताबत किया है या करने की योजना है?

सिंचाई तथा बिजली मंत्री (श्री वीरेन्द्र सिंह): अध्यक्ष महोदय, आज से दो चार रोज पहले मैंने इसी सदन को फ्लड कन्ट्रोल के बारे में सूचित किया था कि 31– 1–89 को फ्लड कन्ट्रोल बोर्ड की मीटिंग हुई थी और उस मीटिंग में बहुत सारी स्कीमें मन्जूर की गई थी जिन पर तकरीबन 24–25 करोड़ रुपये के बीच खर्च आयेगा। फ्लड कन्ट्रोल बोर्ड ने इस काम के लिए अगले साल हैंतु 13 करोड़ रुपये रखे हैं अब हम प्रायरिटी फिक्स करेगे कि कौन सी स्कीम प्रायरिटी पर ली जाये। जो स्कीमें प्रायरिटी पर आयेंगी उन पर काम शुरू कर दिया जायेगा बल्कि कुछ पर तो काम शुरू कर दिया गया है। Tenders are being floated and only the schemes are to be earmarked.

Construction of Roads

***761. Shri Kailash Chand Sharma :** Will the Minister for P. W.D. (B&R) be pleased to state —

(a) the total kilometres of new roads constructed in the Narnaul Constituency during the year 1988-89 ;

(b) whether there is any proposal under consideration of the Government to construct a road from Datanl to Dhani Jajma; and

(c) if so, the time by which the aforesaid road is likely to be constructed ?

Public Works Minister (Shri Om Parkash Bhardwaj) :

(a) 0.60 km.

(b) Yes.

(c) This road will be constructed as early as possible depending upon the availability of funds.

श्री कैलाश चन्द शर्मा: अध्यक्ष महोदय, इन्होंने यह स्वीकार किया है कि दताल से ढाणी जाजमा तक सड़क बनाना विचाराधीन है।. मैं आपके माध्यम से यह जानना चाहूंगा कि इस सड़क के ऐस्टिमेट्स पहली बार कब बने, कितने दिनों में इस पर काम शुरू हो जाएगा और ये कब तक बनेगी?

श्री ओम प्रकाश भारद्वाज: स्पीकर साहब, यह सड़क पहले चूंकि डि–सैंक्शंड हो गई थी। इसलिए इसका कोई काम

नहीं हो पाया। जैसे कि श्री कैलाश चन्द्र शर्मा जी ने मांग की है मैंने पहले ही कहा है इस सड़क का निर्माण कार्य विचाराधीन है।

श्री जगन्नाथः अध्यक्ष महोदय, जवाब में इन्होंने नई सड्कों की लम्बाई 0.60 किलोमीटर बताई है। इसे देखकर लगता है कि यह बहुत लम्बी–चौड़ी सड़कें बनीं होंगी। इसी तरह अम्बाला शहर से दो मेन रोड गुजरती हैं, एक तो जी०टी० रोड और दूसरी रोड कैथल पेहवा से होती हुई भिवानी पहुंचती है। भिवानी के नजदीक यह सड़क इतनी टूटी हुई है कि वहां गाड़ी चलाना बहुत कठिन है। यदि अंधेरा हो और ड्राईवर नया हो तो बहुत खतरा रहता है। क्या मन्त्री महोदय इस सड़क को मुरम्मत करवाने का कोई प्रबन्ध करेंगे?

श्री ओम प्रकाश भारद्वाजः स्पीकर सर, यह सवाल तो जिला नारनौल के बारे में था। मैं माननीय सदस्य श्री जगन्नाथ जी को बताना चाहता हूं कि 'बाढ़ के कारण 17½ करोड रुपये के लगभग सड्कों का नुकसान हुआ है। सरकार इन टूटी हुई सड्कों की मुरम्मत पर साढ़े चार करोड़ रुपये खर्च करेगी तथा जहां सड़कें ज्यादा टूटी हुई हैं वहां पर तेजी से काम चल रहा है।

श्री कैलाश चन्द शर्माः अष्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से आदरणीय मन्त्री जी से यह जानना चाहूंगा कि 0. 60 किलो मीटर सड्कों के अतिरिक्त नारनौल जिले में और कौन कौन सी सड़कें बनी हैं या बनाई जा रही हैं?

श्री ओम प्रकाश भारद्वाजः स्पीकर साहब, में नारनौल जिले में तीन सड्कों बारे इन्हैं बताना चाहूंगा। सब से पहले दोचाना बदोपुर से सिमली की सड़क है, यह सड़क कम्पलीट हो गई है। दूसरी सड़क ढाणी चीमावाली से ढाणी ककरवाली है। यह सड़क लैण्ड ऐक्विजिशन के केसिज सैटल होने पर जल्दी ही बना दी जाएगी। तीसरी सड़क' रामबास गोरीर से हरियाणा स्टेट बोर्डर तक की है जो कि 31—7— 1989 तक पूरी करने की कोशिश करेंगे।

चौधरी महैंन्द्र प्रताप सिंहः अध्यक्ष महोदय, अभी माननीय मन्त्री महोदय ने बताया कि बाढ़ के कारण करीब 1722 करोड़ रुपये का नुकसान हुआ हैं और साढ़े चार करोड़ रुपए सड्कों की मुरम्मत कम्पलीट करने के लिए खर्च किए जाएंगे। मैं मन्त्री महोदय से यह जानना चाहूंगा कि जो बाकी 13 करोड़ रुपये की अनुमानगत सड़कें टूटी हैं उनकी मुरम्मत के लिए सरकार ने क्या योजना व प्रावधान किया है?

श्री ओम प्रकाश भारद्वाजः अध्यक्ष महोदय, बाढ़ से प्रभावित सड्कों के बारे में हमने गवर्नमैंट औफ इण्डिया को एक मैमोरैडम दिया था कि 17 करोड़ रुपये से ज्यादा का नुकसान हुआ है परन्तु वास्तव में यह नुकसान 17 करोड़ 95 लाख रुपये के लगभग है। गवर्नमैंट औफ इण्डिया ने केवल साढ़े चार करोड़ रुपये दिये हैं। हमारी पूरी कोशिश है कि हम अपने सीमित साधनों से टूटी हुई सड्कों को पूरा करें।

चौधरी महैंन्द्र प्रताप सिंहः अध्यक्ष महोदय, माननीय मन्त्री महोदय तथा सरकारी पक्ष से बोलने वाले सदस्य हर बात में केन्द्र पर जिम्मेदारी डालते हैं। जब उन्हैं कोई रास्ता नहीं सूझता तो केन्द्र की और देखते हैं। (विघ्न) मैं मंत्री जी में यह जानना चाहूंगा कि हरियाणा प्रदेश को भी केन्द्र शासित प्रदेश बनवाने बारे क्या कोई प्रस्ताव सरकार के विचाराधीन हैं? (विघ्न)

(इस प्रश्न का उत्तर नहीं दिया गया)

श्री भागी रामः अध्यक्ष महोदय, मैं माननीय मंत्री महोदय से यह जानना चाहता हूं कि चौधरी महैंन्द्र प्रताप सिंह जी जब तेजा खेड़ा फार्म से भाग रहैं थे तो उस समय भी कुछ सड़के टूटी हुई थी? (विघ्न)

श्री अध्यक्षः यह कोई क्वैश्चन नहीं है। आप कृपया बैठें।

Recruitment made in Transport Department

***790. Pandit Vasu Dev Sharma @Shri Hira Nand Arya :** Will the Minister of State for Transport be pleased to state—

(a) the categorywise and depotwise number of persons recruited on ad-hoc and daily wages basis in the Transport Deptt. during the years.1987-88 and 1988-89 togetherwith the mode of their - recruitment ; and

(b) the number of persons regularised out of those referred to in part (a) above ?

परिवहन राज्य मंत्री (श्री धर्मबीर सिंह): अपेक्षित सूचना एकत्र करने में लगने वाली मेहनत और समय के मुकाबले मे उससे होने वाला सम्भावित लाभ कहीं कम होगा?

श्री हीरा नन्द आर्य: अध्यक्ष महोदय, मैं आपके द्वारा मन्त्री महोदय से यह जानना चाहूगा कि ट्रांसपोर्ट विभाग में भर्ती के सम्बन्ध में मुख्य मंत्री, सरकार या इनको कोई शिकायत मिली है कि भर्ती के मामले में गड़बड़ हुई है? अगर शिकायत मिली है तो वह किस तरह की शिकायत थी, किस के खिलाफ थी और उस पर क्या ऐक्शन लिया गया है?

श्री धर्मवीर सिंह: माननीय सदस्य किस भर्ती के बारे में पूछ रहैं हैं, यह कलियर करने का कष्ट करें?

श्री हीरा नन्द आर्य: ट्रांसपोर्ट विभाग में जो भर्ती की गई है उसके बारे में पूछ रहा हूं। **श्री धर्मवीर सिंह:** ट्रांसपोर्ट विभाग में तो भर्ती ऐम्पलाएमैंट ऐक्सचेंज से भी होती है, एस० एस० एस० बोर्ड से भी होती हैं और कुछ आदमी एक महीने के लिए या डैलीवेजिज पर भी लगाये जाते हैं। आप किस के बारे में पूछना चाहते हैं?

श्री हीरा नन्द आर्य: अध्यक्ष महोदय, मेरा सवाल यह है कि वर्ष 1987–88 तथा 1 988– 89 के दौरान परिवहन विभाग में श्रेणीवार तथा डिपोवार कितने व्यक्तियों को तदर्थ तथा दैनिक

मजदूरी के आधार पर भर्ती किया गया तथा उनकी भर्ती का ढंग क्या है?

श्री धर्मवीर सिंहः अध्यक्ष महोदय, हमारे यहां ट्रांसपोर्ट के अन्दर कुछ ऐसे मौके भी आते हैं जब कोई मेला लगता है जैसे अभी कुरूक्षेत्र में मेला लगा था, हरिद्वार में लगा था। माता मसानी का भी मेला लगता है यानी और भी मेले लगते रहते हैं और वे महीना बीस दिन चलते है। उनके लिए हम एक महीने के लिए या डेली वेजिज पर आदमी लगाते है। उन्हैं हम एस० एस० एस० बोर्ड द्वारा नहीं लगाते है। मेले के दिनों में गर्मी में पानी पिलाने के लिए जिन व्यक्तियों को लगाते हैं उन का ब्यौरा नहीं दे सकते क्योंकि वे थोड़े दिन के लिए लगाये होते हैं।

श्री हीरा नन्द आर्यः अध्यक्ष महोदय, मेरी शिकायत है कि मंत्री महोदय इसलिए जवाब नहीं देना चाहते क्योंकि इन्होंने अपने अकेले परिवार की और गांव की 40–50 की लिस्ट वहां भेजी थी। वहां पर बोगस और गलत भर्ती की गई क्योंकि उनके बोगस ड्राइविंग लाइसैस थे। क्या यह बात ठीक है और ऐसी कोई शिकायत उन्हैं मिली थी?

श्री धर्मबीर सिंहः मेरे नोटिस में ऐसी कोई शिकायत नहीं है।

श्री मंगल सैनः क्या मन्त्री महोदय बताने की कृपा करेंगे कि तदर्थ आधार पर और दैनिक मजदूरी के आधार पर जो

कर्मचारी लगाये हैं इनके लगाने का क्या प्रोसीजर था, क्या सिस्टम था?

श्री धर्मबीर सिंहः जब ऐडहाक पर लगाथे जाते हैं तो थ्रू ऐम्पलाएमैंट ऐक्सचौजं लगाये जाते हैं।

श्री भाग मलः अध्यक्ष महोदय, हमारे यहा यमुनानगर डिपो में जो बहुत सारे लोग डैली वेजिज और ऐडहाक पर लगाये गये हैं वे हमारे जिले के बाहर के लगाये गये हैं। क्या मन्त्री जी बताएंगे कि वे किस माध्यम से लगाये गये हैं और कैसे लगाये गए हैं?

श्री धर्मबीर सिहः जब भी कोई कर्मचारी ऐडहाक पर लगाते हैं तो ऐम्पलाएमैंट ऐक्सचौजिंज द्वारा लगाये जाते हैं। जब डैली वैजिज पर गर्मियों में पानी पिलाने के लिए या मेले के अवसर पर लगाये जाते हैं वे वैसे ही कुछ दिन के लिए लगाये जाते हैं।

पंडित वासु देव शर्माः अध्यक्ष महोदय, मैं आपके जरिए मन्त्री महोदय से जानना चाहूंगा कि जो ऐसे डेली वेजिज पर आदमी लगाये हैं उनमें से कितनों के 240 दिन पूरे हो गये हैं? अगर बे 240 दिन पूरे कर गये हैं तो उनके बारे में क्या कार्यवाही की जा रही हैं?

श्री धर्मबीर सिंहः यह हम पता करेंगे कि 240 दिन कितने वर्कर्ज पूरे कर चुके हैं। अभी आज ही इस बारे में इन्होंने पूछा है।

श्री हीरा नन्द आर्यः अध्यक्ष महोदय, मैं आपसे दरखास्त करना चाहूंगा कि जब मंत्री अपने विभाग के अन्दर दो साल के दौरान भर्ती किये हुए कर्मचारियों के बारे में नहीं बता सकता तो क्या यह सदस्य के अधिकार का हनन नहीं है।

सिंचाई तथा बिजली मंत्री (चौधरी वीरेन्द्र सिंह): स्पीकर सर, मैं क्वैश्चन की ऐडमिसिबिलिटी पर तो एतराज ही नहीं करं सकता क्योंकि आपने उसे ऐडमिट किया है परन्तु जो कुछ मैंने इस क्वैश्चन में देखा है, रूल्ज औफ प्रोसीजर एन्ड कन्डक्ट औफ बिजनैस के मुताबिक इस प्रकार का सवाल पूछा नहीं जाना चाहिए। सभी माननीय सदस्यों को पता है कि रिक्रूटमैंट डायरैक्ट भी होती है, ऐम्पलाएमैंट एक्सचौंजिज से भी होती है, एस० एस० एस० बोर्ड से भी होती है, हरियाणा पब्लिक सर्विस कमीशन से भी होती है, ऐडहाक भी होती है और डेली वेजिज पर भी होती है। इसके अलावा बाई प्रोमोशन भी अप्वायंटमैट होती है। हर तरह से ऐम्पलायमैंट करनी पड़ती है। अगर कोई ऐसी बात हो तो या तो माननीय सदस्य इस तरह का ऐलीगेशन लगायें जिससे इन सारे रूल्ज की अवहैंलना कर दी गयी हो या वेकेन्सीज उतनी न हों और भर्ती ज्यादा कर ली गयी हो। वह तो पब्लिक कन्सर्न का सवाल बनता है लेकिन रूटीन में जो भर्ती होती रहती है अगर

उसमें किसी भी माननीय सदस्य को शको–शुभा हो जाता हैं कि इसमें कोई गलत तरह के लोग लिये गए है तो उसके लिए पार्टी फोरम सबसे बैस्ट फोरम है। वहां उसको प्वायंट आउट किया जाये या मुख्य मंत्री महोदय के नोटिस में लाया जाये। वैसे ही जनरल क्वैश्चन पूछना, अच्छा नहीं लगता। ट्रांसपोर्ट या एनी अदर विरा डिपार्टमैंट में रोजाना भर्ती चलती रहती हैं। कोई निकाला जाता है और कोई रखा जाता है। ऐसे एक सवाल को देकर सारा डिपार्टमैंट हिल जाता है। उसकी फिगर्ज कोलैक्ट करनी होती हैं। इसलिये मैं माननीय सदस्यों से प्रार्थना करूंगा कि कोई ऐसी बात जो वाकई पब्लिक कन्सर्न की हो जिसमें कोई अनियमितता बरती गयी हो उसके सम्बन्ध में तो सवाल उठायें, हमें कोई आपत्ति नहीं होगी। वरना कम से कम रूटीन में अगर इस तरह के सवाल न पूछें तो ज्यादा अच्छा रहैंगा।

श्री हीरा नन्द आर्यः अध्यक्ष महोदय, पार्लियामैंट्री अफेयर्ज मिनिस्टर साहब ने यह बताया है कि पार्टी फोरम

Mr. Speaker : If you want to put a supplementary, you please do so other wise please take your seat.

श्री हीरा नन्द आर्यः सर, मैं पार्लियामैट्री अफेयजं मिनिस्टर साहब के जबाब की बात नही कर रहा हूं। मैं तो सप्लोमैंट्री ही पूछने जा रहा हूं। उन्होंने यह कहा कि कोई ऐलीगेशन लगायें। मैं यह कहना चाहता हूं कि तालू गांव के 42

आदमियों की मैंने लिस्ट दी थी कि ऐसे लोग लगा लिये गये जिनके पास लाईसैस भी नहीं थे।

Mr. Speaker : Arya Ji, he has already given the reply that no such complaint has been received by him. (Interruptions).

श्री मंगल सैनः स्पीकर साहब, रूल्ज तो हमें परमिट नहीं करते कि क्वेश्चन आवर में ऐसी कोई बात कहैं लेकिन हमारे वर्दी पार्लियामैंट्री अफेयर्ज मिनिस्टर ने यह कहा कि मैम्बर्ज को सोच–समझ कर सवाल करने चाहियें। ऐसा कह कर तो उन्होंने आप पर भी रिफैलैकशन कर दी कि ऐडमिशन के समय इस बात का ध्यान करना चाहिये था।

Mr. Speaker : Doctor Sahib, question was properly admitted.

श्री मंगल सैनः वही तो बात है हाउस केवल यह जानना चाहता है कि कितने लोग भर्ती किये गये, उनमें से कितने टैम्पोरेरी भर्ती किये गये और कितने डेली वेजिज पर भर्ती किये गये थे। बात तो इतनी सिम्पल सी थी। भिवानी जिले की बात यह आपस में कर सकते हैं। क्या चीज पार्टी मीटिंग में हो सकती है, यह देखें। कोई कम्युनीकेशन गैप हो तो उसमें आप या कोई दूसरा मीडियेटर बन सकता है। मैं तो यह जानना चाहता हूं कि कितने लोग भर्ती किये गये, उनका मैथड क्या था, यह तो पूछने का मैम्बर को अख्तियार है।

Mr. Speaker : Doctor Sahib, reply has already come. Please take your seat now.

श्री शिव प्रशादः क्या मंत्री जी बताएंगे कि यह जो डेली वेजिज पर अप्वायंटमैंट होती है, इसको जी० एम० डायरैक्ट करता है या इसके लिये भी आपसे आदेश जाते हैं।

श्री धर्मवीर सिंहः जब 10– 15 दिन या एक महीने के लिए जरूरत हो तो जी० एम० अपने लेवल पर ही अप्वायंटमैंट कर लेता है

श्री हीरा नन्द आर्यः स्पीकर साहब, हाउस का एक मैम्बर होने के नाते हमारा यह अधिकार है कि हम इनसे मैथड औफ रिक्रूटमैंट के बारे में पूछें। (व्यवधान व शोर)

श्री अध्यक्षः अधिकार तो ठीक है लेकिन आपको सप्लीमेंट्री करने की चार अपर्चुनिटीज मिलीं और उसमें आपने अपने अधिकार का पूरा प्रयोग किया है परन्तु उन मौकों पर आपने यह बात नहीं पूछी। When he said that he had not received any complaint, you could not put further supplementary at that time. It was for you to have put suppiemetary at the appropriate time. It is not for me to do so. (Interruptions).

श्री हीरा नन्द आर्यः आप इनको डायरैक्ट तो करें। ऐडहाक बेसिज पर कितने भर्ती किये, कितने ऐम्पलायमैंट ऐक्सचेजं से भर्ती किये गये और दूसरे तरीकों से कितने भर्ती किये गये, यह तो ये बता दें।

Mr. Speaker : Arya ji, please no more supplementary on this question. You please take your seat.

श्री अध्यक्षः नैक्सट क्वैश्चन चौधरी रणजीत सिंह की तरफ से है। वे इस समय यहां पर नहीं हैं।

श्री मंगल सैनः स्पीकर साहब, चौधरी रणजीत सिंह तो यहां पर नहीं हैं। क्या मैं उनके बिहाफ पर पूछ सकता हूं?

Mr. Speaker : Doctor Sahib, I have not received any authority from him. Next question please.

Construction of Roads

***774. Shri Jai Singh Rana :** Will the Minister for P.W.D, (B&R) be pleased to state—

(a) the total number/kilometres of roads constructed in the State during the year 1988-89; and

(b) the number/kilometres of roads, out of those referred to
in part (a) above, constructed in, Nilokheri Constituency ?

Public Works Minister (Shri Om Parkash Bhardwaj) :

(a) 281 roads with a metalling of 147 kilometres were constructed during the period 1988-89 upto 31st January, 1989.

(b) 5 roads with a metalling of 1.83 kms. have been constructed in Nilokheri Constituency during the year

1988-89.

श्री जय सिंह राणाः अध्यक्ष महोदय, मन्त्री महोदय ने बताया है कि 147 किलोमीटर लम्बाई की कच्ची सड़कें सारे राज्य में पक्की की गई हैं। क्या मन्त्री महोदय बताने की कृपा करेंगे कि राज्य के किस–किस क्षेत्र में कितनी–कितनी लम्बाई की सड़ कें पक्की की गई हैं?

श्री ओम प्रकाश भारद्वाजः स्पीकर साहब, बहुत लम्बी डिटेल है। अगर आप इजाजत दें तो मैं पढ़ देता हूं लेकिन 'काफी टाईम लगेगा। वैसे 93 सड़कें तो ऐसी हैं जो अब तक कम्पलीट कर दी गई हैं।

श्री जय सिंह राणाः क्या मन्त्री महोदय बताने की कृपा करेंगे कि राज्य में कुल कितने गांव ऐसे हैं जो सड्कों से नहीं जुडे हुए हैं और नीलोखेड़ी में कितने गांव हैं जो सड्कों से यहीं जुड़े हुए हैं?

श्री ओम प्रकाश भारद्वाजः स्पीकर साहब, 6745 गांवों में 34 गांव ऐसे हैं जो सड़क से नहीं जुड़े हुए हैं और नीलोखेड़ी में कोई ऐसा गांव नहीं है जो सड़क से न जुड़ा हुआ हो।

श्री मंगल सैनः अध्यक्ष महोदय, शहरों में भी काफी सड़कें टूटी हुई हैं। क्या मन्त्री जी म्यूनिसिपल कमेटीज का बोझ कम करने के लिए शहरों की उन सड्कों को भी ठीक करवाने की कृपा करेंगे?

श्री ओम प्रकाश भारद्वाजः स्पीकर साहब, डाक्टर साहब बड़े मेहरबान हैं और ये पी०डब्ल्यू० डी० की कोई सेवा नहीं लेना चाहते। इनका सारा क्षेत्र लोकल बौडीज की हद में ही आता है।

श्री रत्न लाल कटारियाः स्पीकर साहब, कई बार गांव को एक या दूसरी सड़क से जोड़ दिया जाता है लेकिन बीच का एक या आधा किलोमीटर का मिसिंग गैप रह जाता है और उस एक या आधा किलोमीटर के मिसिंग गैप के कारण पन्द्रह या सोलह किलोमीटर का रास्ता ज्यादा तय करना पड़ता है। क्या मन्त्री महोदय ऐसे गैप्स को पूरा करने की कृपा करेंगे जिससे लोगों की परेशानी कम हो सके?

श्री ओम प्रकाश भारद्वाजः स्पीकर साहब, इस पर विचार किया जा रहा **श्री जय सिंह राणाः** अध्यक्ष महोदय, मन्त्री जी ने अभी कहा है कि नीलोखेड़ी में कोई ऐसा गांव नहीं है जो पक्की सड़क से न जुड़ा हुआ हो। क्या मन्त्री जी बताने की कृपा करेंगे कि अगर कोई गांव रह गया हो तो क्या उसको सड़क से जोड़ने पर विचार करेंगे?

श्री अध्यक्षः आप गांव का नाम बता दे।

श्री जय सिंह राणाः स्पीकर साहब, सदीकपुर से गोविन्दपुर सड़क नहीं है।

श्री ओम प्रकाश भारद्वाजः अध्यक्ष महोदय, मेरे कहने का मतलब डायरैक्टरी विलेजिज से था जिनकी जनसंख्या 250 है। ऐसे नांवों के बारे में मैंने अपनी बात कही थी।

श्री महा सिंहः मन्त्री महोदय ने अभी कहा है कि मेरे पास लम्बी लिस्ट है जहां पर पक्की सड़कें बनाई गई हैं। क्या मन्त्री महोदय जिला सोनीपत में राई के बारे में बता सकते हैं कि क्या वहां पर कोई सड़क बनाई गई है?

श्री ओम प्रकाश भारद्वाजः स्पीकर साहब, मैं तो हर कांस्टिचुएंसी के बारे में बता सकता हूं लेकिन लिस्ट लम्बी है और यह लिस्ट 37 पेज की है। मे यह लिस्ट डा० महा सिंह को दे देता हूं वह पर में।

पंडित वासु देव शर्माः स्पीकर साहब, पिछले साल मन्त्री जी मेरी कांस्टिचुएंसी में गए थे और इन्होंने कहा था कि हिन्डोल से धारू की सड़क बना दी जाएगी। क्या मन्त्री जी उस सड़क को बनाने पर विचार करेंगे?

श्री ओम प्रकाश भारद्वाजः स्पीकर साहब, सैपरेट नोटिस की जरूरत नहीं हैं। यह सड़क हम बना देंगे।

श्री महा सिंहः स्पीकर साहब, मेरे हल्के में सड्कों की प्रोग्रैस निल है। क्या मंत्री महोदय मेरे हल्के में थोड़ी बहुत प्रोग्रैस करने की कृपा करेंगे?

श्री ओम प्रकाश भारद्वाजः स्पीकर साहब, अगले साल जैसे भी डा० महा सिंह कहैंगे वैसे कर देगे।

सेठ लछमन दास बजाजः स्पीकर साहब, मेरे यहां सिरसी से लेकर धिया तक की सड़क कच्ची पड़ी हुई है।

Mr. Speaker : Please sit down. It is not possible for the Minister to give answer to this question.

सेठ लछमन दास बजाजः स्पीकर साहब, उस सड़क का पुल बन चुका है। क्या मन्त्री महोदय इस सड़क को बनाने के लिए विचार करेंगे?

Mr. Speaker : Mr. Bajaj, it is not possible for the Minister to answer this question.

श्री जय नारायण खुण्डियाः क्या मन्त्री महोदय बताने की कृपा करेंगे कि रोहतक जिले में कितने किलोमीटर सड़क बनी है और क्या उसका क्षेत्रवार ब्यौरा देने का कष्ट करेंगे?

श्री अध्यक्षः आप नीलोखेड़ी से रोहतक जिले मे चले गए। इस वक्त इसका जवाब देना पौसीबल नहीं है।

Agra Canal

***747. Shri Bhagwan Sahai Rawat :** Will the Minister for Irrigation and Power be pleased to state—

(a) the yearwise total area of Faridabad and Gurgaon districts being irrigated by the Agra Canal during the

last few years ; and

(b) the total amount as 'abiana' realised from the area as referred to in part (a) above and the amount there from given to U.P. State during the said period ?

Irrigation and Power Minister (Shri Verender Singh) :

(a) The total area irrigated by Agra Canal serving Haryana area in the District of Faridabad & Gurgaon during the last four years is—

Year	Area Irrigated (In Acres)	
	Faridabad	Gurgaon
1984c85	73,858	3307
1985-86	77,242	3644
1986c87	80,429	1500
1987-88	76,845,	1375

(b) The total abiana raised/realized and given to U.P. State for above referred areas, Districtwise was—

District	Abiana raised	Amount realized & given to U.P.
Faridabad	(Rs. in lacs) 134.45	87.84
Gurgaon	6.90	3.07

श्री भगवान सहाय रावतः अध्शक्ष महोदय, काफी बड़ा पूरिया आगरा कैनाल के माध्यम से इरीगेट होता है और वहां से सरकार द्वारा जो आबयाना लिया जाता है, वह हरियाणा प्रान्त के दूसरे क्षेत्रों की अपेक्षा दुगुना व तिगुना लिया जाता है। क्या यह लोकप्रिय सरकार इस असमानता को दूर करने का कोई विचार रखती है ताकि लोगों में किसी प्रकार का रोष न हो?

श्री वीरेन्द्र सिंहः स्पीकर सर, मेरे ख्याल में रावत साहब यह कहना चाह रहैं हैं कि आगरा कैनाल की डिस्ट्रीब्यूटरी से जो एरिया इरीगेट होता है, उसका आबयाना बाकी प्रान्त के आबयाना के मुकाबले में ज्यादा चार्ज किया जाता है और क्या सरकार हरियाणा प्रान्त के दूसरे क्षेत्रों की भांति उस आबयाना को एक समान करने का विचार रखती है? यानी क्या दूसरे इलाकों की तरह सब–सिडी देकर उसे एट पार किया जाएगा? स्पीकर साहब, इस समय तो मैं इस बारे में हाउस को कमिटमैन्ट नही दे सकता but I can give an assurance to the House that I will talk to the Hon'ble Chief Minister on this subject.

श्री जगन्नाथः अध्यक्ष महोदय, कई बार हम सरकार से शिकायत भी करते हैं और विभाग के अधिकारियों से भी मिलते हैं और रखी महोदय को मेमोरैन्डम भी दिये हैं कि हमारे स्पेसीफिक एरियाज में नहर का पानी कम आ रहा है। जो वैस्टर्न यमुना कैनाल का एरिया है, वह चौधरी बीरेन्द्र सिंह जी का एरिया है। जब ये वहां जाते हैं तो पानी आ जाता है। इसी तरह से मुख्य

गन्दी महोदय जब अचानक दौरा करते हैं तो उस इलाके में पानी आ जाता है। तो यह इस तरह का हमारे साथ भेदभाव क्यों किया जा रहा है? क्या मन्त्री महोदय बताने का कष्ट करेंगे कि सरकार का पानी का बटवारा करने का क्या तरीका है?

Mr. Speaker : This is not a relevant question.

श्री बलबीर सिंह चौधरी: अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से यह जानना चाहूंगा कि क्या यह सच है कि जो इलाके फ्लड के कारण डूब गये और फसलों का एक तिनका भी नहीं बच पाया, उस जमीन पर से भी आवयाना चार्ज किया जाता है?

श्री अध्यक्ष: चौधरी साहब, ऐटलीस्ट यह बात तो आप देखें कि मेन सवाल क्या है और सप्लीमैट्री क्या है? It is not possible for the Minister to reply such question. You please take your seat.

श्री उदय भान: अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से मन्त्री महोदय से यह जानना चाहता हूं कि फरीदाबाद और गुड़गांव के किसानों को हमेशा इसी तरह से उत्तर प्रदेश सरकार के रहमो कर्म पर ही जीना पड़ेगा या हमारी सरकार आगरा कैनाल की तरह हरियाणा के अन्दर भी अपना कोई नहर का प्रबन्ध करेगी ताकि गुड़गांव और फरीदाबाद के किसानों को कुछ राहत मिल सके?

श्री वीरेन्द्र सिंह: स्पीकर सर, आप भी इरीगेशन एंड पावर के इन्चार्ज रहैं हैं। आगरा कैनाल का कंट्रोल हरियाणा को

मिल जाए इसके लिए हमारा पिछले 26–27 सालों से डिसप्यूट चल रहा है और हर साल हरियाणा सरकार की तरफ से कोई न कोई मीटिंग भारत सरकार के साथ इस मसले पर करवाई जाती रही है। रिक्वैस्ट भी उनको की जाती है कि इस कैनाल का कंट्रोल हरियाणा प्रांत को दे दिया जाए क्योंकि इस कैनाल का न तो यू० पी० सरकार की ओर से कोई बेहतरीन प्रबन्ध है और न ही उन डिस्ट्रीव्यूटरीज का, जिनसे हमें पानी मिलता है, अच्छा 10– 00 बजे। मेन्टेनैंस हो रहा है। मामला इतना उलझ गया है कि उसका कुछ नहीं हो पा रहा है लेकिन गवर्नमैंट औफ हरियाणा पूरी कोशिश कर रही है और करती रहैंगी कि इस कैनाल का कंट्रोल हमें मिल जाए।

श्री भगवान सहाय रावतः अध्यक्ष महोदय, यह सारी बात स्वीकार करते हुए भी किं यह इशू 26–27 साल से चल रहा है और पानी के रेट में भी अन्तर है क्या सरकार आगरा कैनाल से जो हमारे हिस्से का पानी मिलता है उसकी सुपरवीजन करके देखती है कि जितना हिस्सा हमें मिलना चाहिए वह हमें मिल रहा है या नहीं? गत चार सप्ताह से उस नहर में पानी नहीं चल रहा है। अब चूंकि फसल का टाईम है और बिजली भी किसानों को कम मिल रही है इसलिए क्या सरकार उत्तर प्रदेश सरकार को लिखेगी कि हमारे हिस्से का पानी हमें पूरा दिया जाए?

श्री वीरेन्द्र सिंहः स्पीकर साहब, चार हस्तों से लगातार आगरा कैनाल में पानी न चल रहा हो यह बात जंचने वाली नहीं

है। कैनाल तो जरूर चल रही होगी लेकिन अगर किसी डिस्ट्रीव्यूटरी में गड़बड़ हो तो ये हमारे नोटिस में लाए। (विघ्न) ये हथीन की बात कह रहैं हैं। मैं आज ही इसको चौकअप करवा लूंगा और इनको बता दूंगा।

श्री उदय भानः अध्यक्ष महोदय, मेरे प्रश्न का जवाब नहीं आया। मैंने पूछा था कि क्या सरकार कोई नई व्यवस्था कर रही है या हमें यू०पी० के रहमो कर्म पर ही रहना पड़ेगा?

श्री वीरेन्द्र सिंहः स्पीकर साहब, दूसरी कैनाल निकालने का कोई विचार नहीं है।

चौधरी महैंन्द्र प्रताप सिहः अध्यक्ष महोदय, मन्त्री जी बड़े काबिल हैं। मेरे साथियों का सवाल करने का जो असली मकसद है वह यह है कि पानी कम मिलने और रेट्स में अन्तर का कारण यू० पी० गवर्नमैंट के कन्ट्रोल की वजह से है। अभी यहां बताया गया कि 26– 27 साल से यह मसला चल रहा है और चाहैं. कोई भी सरकार रही है वह इसके लिए कोशिश करती रही है। है जानना चाहता हूं कि इसमें क्या अड़चन हैं जो अभी तक हल नहीं हो सकी? क्या कोई ऐग्रीमैंट ऐसा है जो नही हो रहा है या कोई और कारण है और सरकार इन कारणों को दूर करने के लिए क्या कर रही है?

श्री वीरेन्द्र सिंहः स्पीकर साहब, इसमें कोई विशेष कारण तो नजर नहीं आता बल्कि आज से डेढ़–नौ साल पहले

मुख्य मन्त्री हरियाणा और मुख्य मन्त्री उत्तर प्रदेश इस बात को मान गए थे कि इसका कन्ट्रोल हरियाणा को दे दिया जाए। उसके कुछ दिन बाद ही यू० पी० वाले बैक आउट कर गए। उन्होंने कोई साउंड आरगुमेंट नहीं दिया। इसका मतलब है कि वे पानी देना नहीं चाहते।

Digging Out Distributory

***711. Shri Durga Dutt Atri :** Will the Minister for Irrigation and Power be pleased to state—

(a) whether any foundation stone for digging out a distributory .(minor) from the Hansi. Branch, from Moana Chhaper to Khanda leading towards village Gohian has been laid; and

(b) if so, date thereof and in case the work in connection therewith has not been started and completed, the reasons therefor ?

Irrigation and Power Minister (Shri Verender Singh) :

(a) No

(b) Question does not arise.

श्री दुर्गा दत्त अत्रीः स्पीकर साहब, क्या मन्त्री जी बताएंगे कि जून 1987 के असैम्बली चुनावों से पहले पूर्व सिंचाई तथा बिजली मंदी द्वारा इस डिस्ट्रीव्यूटरी का फाऊंडेशन स्टोन रखा गया था।

श्री वीरेन्द्र सिंहः स्पीकर साहब, महकमा नहर के रिकार्ड में कहीं कोई कागज ऐसा नहीं मिला जिससे जाहिर हो कि किसी पहले वाले मंत्री ने इसका फाऊंडेशन स्टोन रखा हो। इसलिए मैंने इस सवाल का जवाब 'नो' में दिया है। दरअसल यह मामला दो बार ऐग्जामिन किया गया और दोनों बार ही टैक्नीकली रिजैक्ट किया गया। इसलिए इसका फाऊंडेशन स्टोन कभी नहीं रखा गया।

श्री दुर्गा दत्त अत्रीः स्पीकर साहब, मैं आपके द्वारा मन्त्री जी से जानना चाहता हूं कि जब मेरे हल्के के लोग इस माईनर के वारे में मुझ से सवाल पूछते हैं तो मैं उनको क्या जवाब दूं।

श्री वीरेन्द्र सिंहः स्पीकर साहब, मैं माननीय सदस्य को बताना चाहूंगा कि आप उन लोगों से कहैं कि आपको चू कि कांग्रेस के लोगों ने हमेशा गुमराह किया है और गुमराह करते रहैंगे इसलिए आप कांग्रेस वालों की बातों में न आएं।

श्री दुर्गा दत्त अत्रीः स्पीकर साहब, मैं आपके माध्यम से मन्त्री जी से जानना चाहता हूं कि क्या सरकार मेरे हल्के के गांव कोपड़ा, खान्डा और गोहिया के लोगों को पानी देने की व्यवस्था करेगी? क्या उन गावों को माईनर द्वारा पानी देने की योजना विचाराधीन है १

श्री वीरेन्द्र सिंहः स्पीकर साहब, अगर माननीय सदस्य उन गांव वाले लोगों की तरफ से कोई डिमांड करेंगे और उनसे

कोई रिप्रैजैटेशन दिलाएंगे तो उसको थौरोली ऐग्जामिन करवाया जाएगा। इस बारे में पहले जो मांग की गई थी वह रिजैक्ट हो चूकी है। यदि ये इस बारे में कोई और सुझाव देंगे और वे टैक्नीकली साउंड होंगे तो इस बारे में जरूर विचार किया जाएगा।

तारांकित प्रश्न सं० 794

यह प्रश्न पूछा नहीं गया क्योंकि इस समय माननीय सदस्य श्री शिव लाल, सदन में उपस्थित नहीं थे।

Custodian Land

***779. Shri Udai Bhan :** Will the Minister for Revenue be pleased to state—

(a) whether it is a fact that some Land Lords had illegally took possession of Custodian land in village Gonchhi, tehsil Ballabgarh; if so, the details thereof ;

(b) the steps, if any, so far taken or proposed to be taken by the Government to take back the possession of the said land;

(c) whether there is any proposal under consideration of the Government to auction the land as referred to in part (a) above to the Harijans; and

(d) if so, the time by which it is likely to be auctioned ?

Revenue Minister (Shri Suraj Bhan) : Land measuring about 350 acres situated in village Gonchhi,

tehsil Ballabgarh forming part of compensation pool was transferred to the State Government in a Financial and Administrative Arrangement dated 31-3-1981 by the Central Government. The land falls within urban limits of Faridabad Complex Administration. In Civil Writ Petition No. 2613 of 1981 Lachhman Dass *Versus* Union of India, Delhi High Court has passed orders dated 11-2-1982 for maintaining statuscquo till the decision of the petition. The matter is thus sub-judice and it will not be proper to discuss the details.

श्री उदय भानः स्पीकर साहब, दिल्ली उच्च न्यायालय ने 11–2–82 को रिट का फैसला होने तक यथा पूर्व स्थिति बनाये रखने के आदेश दिये हैं। क्या मंत्री जी बताएंगे कि उसके बाद इस जमीन पर कब्जे हुए हैं, अगर हुए हैं तो उनको हटाने के लिए क्या कार्यवाही की गई है?

श्री सूरज भानः स्पीकर साहब, कब्जों के बारे में मुझे कोई जानकारी नहीं है?

श्री रत्न लाल कटारियाः स्पीकर साहब, मैं आपके माध्यम से मंत्री जी से जानना चाहता हूं कि पिछले पांच साल में हरिजनों को कितनी सरप्लस और कस्टोडियन की लैंड बांटी गई। इसके अलावा मैं यह भी जानना चाहता हूं कि कागजों में कितनी जमीन का कब्जा दिलाया दिखाया गया है और ऐक्चुअल में कितनी जमीन का कब्जा दिलाया गया?

श्री सूरज भानः स्पीकर साहब, इसके लिए सैपरेट नोटिस चाहिए।

श्री उदय भानः स्पीकर साहब, मेरे सवाल का जवाब नही आया। मैंने पूछा है कि 11–2– 1982 को रिट का फैसला होने के बाद क्या उस जमीन की यथा पूर्व स्थिति है या नहीं, अगर नहीं तो क्या उस जमीन पर कब्जा किया गया है?

श्री सूरज भानः स्पीकर साहब, इस जमीन पर किसी नाजायज कब्जे की शिकायत मेरे पास नहीं है।

Introduction of Science and Commerce Subjects

***714. Comrade Harpal Singh :** Will the Minister for Education be pleased to state whether there is any proposal under consideration of the Government to introduce science and commerce subjects in Government Indira Gandhi College. Tohana from the next academic session ?

खाद्य तथा पूर्ति मंत्री (श्रीमती सुषमा स्वराज): राजकीय इन्दिरा गांधी महाविद्यालय, टोहाना में अगले शैक्षणिक सत से विज्ञान विषय आरम्भ करने बारे महाविद्यालय से कोई प्रस्ताव प्राप्त नहीं हुआ है, तथापि वाणिज्य विषय आरम्भ करने के लिए प्रस्ताव प्राप्त हुआ है जो सरकार के सक्रिय विचाराधीन है।

कामरेड हरपाल सिंहः स्पीकर साहब, पिछले सैशन में यह कमिटमैंट की गई थी कि अगले शैक्षणिक सत से राजकीय इन्दिरा गांधी महाविद्यालय, टोहाना में साइंस और कौमर्स की

क्लासिज शुरू कर दी जाएगी। मैं आपके माध्यम से मन्त्री जी से जानना चाहता हूं कि क्या इस सत से वहां पर साईंस और कौमर्स की क्लासिज शुरू कर दी जाएंगी?

श्रीमती सुषमा स्वराजः स्पीकर साहब, इस बारे में किसी कमिटमैंट के बारे में मुझे मालूम नहीं है। अगर कोई कमिटमैंट हुई है तो मैं उस बारे में पता करवा लूंगी। साईंस की क्लासिज के लिए जितनी भूमि चाहिए उतनी भूमि वहां पर अवेलेबल नहीं है। उस कालेज के आस पास भी भूमि अवेलेबल नहीं है इसलिए वहां' पर साईंस की क्लासिज नहीं खोली जा सकतीं। कौमर्स की क्लासिज के लिए ज्यादा भूमि की जरूरत नहीं है इसलिए उस कालेज में कौमर्स की क्लासिज अगले साल से शुरू करवा देंगे।

श्री अध्यक्षः मैडम, अगर पिछले सैशन में इस बारे में कोई कमिटमैंट हुई है तो उस बारे में जरूर कंसिडर किया' जाना चाहिए क्योंकि आन दी फ्लोर आफ दी हाउस की गई कमिटमैंट एक अश्योरेंस बन जाती है।

श्रीमती सुषमा स्वराजः स्पीकर साहब, ऐसी कोई कमिटमैट मेरे नोटिस में नहीं है। अगर मेरे से पूर्व शिक्षा मन्त्री ने ऐसी कोई कमिटमैंट की होती तो उसको पूरा कर दिया जाता।

कामरेड हरपाल सिंहः स्पीकर साहब, मैं मन्त्री महोदया के नोटिस में लाना चाहता हूं कि हमारा टोहाना हिसार से 70 किलोमीटर और नरवाना से 50 किलोमीटर की दूरी पर पड़ता है।

इस समय वहां पर केवल 5 कमरों में ही गवर्नमैंट कालेज चल रहा है जिस की वजह से वहां पर साईंस और कौमर्स की सुविधा न होने की वजह से वहां के होनहार बच्चे यह शिक्षा प्राप्त करने में असमर्थ हैं। इसका एक कारण यह भी है कि जिन बच्चों के मां–बाप अधिक खर्चे और होस्टल के खर्चे बर्दाश्त नही कर सकते वे अपने बच्चों को बाहर होस्टलों में यह शिक्षा दिलवाने में असमर्थ हैं। अब वहाँ पर मजबूरी में ही बच्चे आर्टस की ही शिक्षा प्राप्त कर रहैं हैं। यहां पर साईंस विंग खोलने के लिए जमीन का समाल आया है। जहां पर सरकार कालेज खोलती है वहा पर साईंस विंग खोलना जरूरी होता है। मैं मल्टी महोदया से जानना चाहूंगा कि क्या वहाँ पर साईंस और कौमर्स की क्लासिज शुरू करवाने के लिए सरकार जमीन ऐक्यायर करेगी?

श्रीमती सुषमा स्वराजः अध्यक्ष जी, पहली बात तो मैं इन्हैं यह बता देना चाहती हूं कि यह गवर्नमैंट कालेज टोहाना में सरकार ने बनाया नहीं है बल्कि इस कालेज को सरकार ने टेक–ओवर किया है। यदि सरकार गवर्नमैट कालेज खुद बनाती तो पहले ही इस बात का ध्यान रखती कि वह कालेज पूरी भूमि में हो। इस समय इस कालेज के पास केवल साढ़े तीन एकड़ जमीन है यानी 28 कनाल 15 मरले। जहां तक जमीन ऐक्यायर करने का सवाल है इस कालेज के साथ लगती हुई पंजाब वक्फ बोर्ड की लैण्ड है। इस बारे में हमने उनसे खशो–किताबत की कि आप हमको जमीन दे दीजिए ताकि हम यहां पर साईंस विंग खोल सके

लेकिन पंजाब बक्फ बोर्ड वाले यह कह रहैं हैं कि हम जमीन दे देंगे लेकिन उसमें खुदाई की इजाजत नहों देगे क्योंकि हो सकता है कि वहां पर कब्रें न निकल जायें क्योंकि हो सकता है कि यह पहले ग्रेव यार्ड हो। उन्हैं यह डर है कि यदि खुदाई हो तो अन्दर की कब्रें नष्ट हो जाएंगी। वे कहते हैं कि हम प्ले ग्राउन्ड के लिए तो जमीन दे सकते हैं लेकिन हम इस जमीन को खुदाई के लिए नहीं दे सकते। जहां तक ऐक्वायर करने का सवाल है हमने सब पौसिबिलिटीज ऐक्सप्लोर कर ली हैं। ये टोहाना से विधायक हैं। अगर ये कोई और पौसिबिलिटी ऐक्सप्लोर करके जमीन दिलवा सकते हैं तो सरकार जरूर नैगोशिएट कर लेगी और वहां पर साईंस विंग खोल देगी लेकिन इस समय वहां पर जमीन उपलब्ध नहीं है।

श्री भगवान सहाय रावतः क्या मन्त्री महोदया बताएंगी कि जहां पर हरियाणा के दूसरे गवर्नमैंट कालेजिज में जमीन उपलब्ध है या हो सकती है और वहां पर विज्ञान की क्लासिज नहीं हैं, जैसे होडल का गवर्नमैंट कालेज है, क्या सरकार वहां पर विज्ञान की क्लासिज शुरू कराने पर विचार करेगी?

श्रीमती सुषमा स्वराजः अध्यक्ष जी, गवर्नमैंट कालेज होडल में साइंस की क्लासिज शुरू करने बारे पहले से ही हमारा विचार चल रहा है लेकिन पहले कहां पर भी जमीन उपलब्ध नहीं थी केवल डेढ़ एकड़ जमीन में वह कालेज चल रहा है। अब हमने वहां पर 10 एकड़ और जमीन देने के लिए दफा– 4 के नोटिसिज

इशू कर दिए हैं। वह 10 एकड जमीन हमें जरुर मिल जायेगी और वहां पर हम साइंस विंग जरूर खोल देंगे।

श्री दुर्गा दत्त अत्रीः अध्यक्ष जी, माननीय मंत्री महोदया बहुत काबिल हैं और मैं समझता हूं कि मेरे सवाल का जवाब दे सकेगी। आज के दिन हरियाणा में ओ० टी० और जे० बी० टी० की क्लासिज खोलना बहुत जरूरी है। क्या इन क्लासिज को खोलने का सरकार का कोई विचार है?

श्रीमती सुषमा स्वराजः अध्यक्ष जी, जहां तक ओ० टी० और जे० बी० टी० का सवाल है इसके लिए हमारे पास सैन्ट्रल गवनेमैंट की एक स्कीम आई है जिसका नाम डी० आई० ई० टी० यानी डिस्ट्रिक्ट इंस्टीव्यूट औफ ऐजूकेशन ट्रेनिंग है। हम यह डी० आई० ई० टी० सब जगह खोलने जा रहैं हैं। हम बारह के बारह जिलों में यह ट्रेनिंग शुरू करने जा रहैं हैं और दो जगहों पर तो यह डाइट इस बर्ष खुल रहैं हैं। इस स्कीम के तहत पूरी की पूरी ऐड सैन्ट्रल सरकार से मिल गई है। इसलिए हम बारह के बारह जिलों में ये खोल देंगे और वहां पर ओ० टी० और जे० बी० टी० का प्रबंध हो जायेगा।

कामरेड हरपाल सिंहः अध्यक्ष महोदय, टोहाना में जो पुराने कालेज की बिल्डिग है वह भी कब्रिस्तान को खोद कर हड्डियां निकाल करके और बाकायदा नींव पत्थर रख करके बनी हुई है। पहले वहां पर भी कब्रिस्तान था। अब ये जिस जमीन की

बात कर रही हैं वहां पर खेती होती है, वहां कब्रिस्तान नहीं है। जो कब्रिस्तान या उसे हमने खोद कर और हाथों से उखाड़ने के बाद वही पर नई बिल्डिंग कन्स्ट्रैक्ट की है। (विघ्न) स्पीकर साहब, मैं मन्त्री महोदया से जानना चाहता हूं कि क्या ये दुबारा प्रयास करके वक्फ बोर्ड की जमीन जो टोहाना में काफी तादाद में है और जिस पर लोगों ने नाजायज कब्जे किए हुए हैं और बहुत ही कम रैटं पर ली हुई हैं, लेने की कोशिश करेगे?

Mr. Speaker : You cannot speak on the Wakf Board like this. यह वक्फ बोर्ड की बात है कि वह उस जमीन का कब्जा छुड़ाये या न छुड़ाये।

कामरेड हरपाल सिंहः स्पीकर सर, यह वक्फ बोर्ड का मामला ऐजूकेशन के साथ जुडा हुआ है। मैं यह कह रहा हूं कि वक्फ बोर्ड की जमीन पर लोगों ने बहुत ही कम रैन्ट पर कब्जे किए हुए हैं। क्या सरकार उसमें से कुछ जमीन हासिल करके स्पोर्टस ग्राउंड और साईंस फैक्लटी शुरू कराने की कोशिश करेंगी।

श्रीमती सुषमा स्वराजः अध्यक्ष जी, गढ़े मुर्दे उखाड़ने का काम कामरेड हरपाल सिंह जी का ही है और ये सदन में भी गढ़े मुर्दे उखाड़ते रहते हैं। जहां तक वक्फ बोर्ड का सवाल है उनसे हमने बाकायदा कौरस्पौन्डैन्स की है लेकिन उन्होंने यही कहा है कि हम जमीन दे सकते हैं लेकिन खुदाई की इजाजत नहीं दे सकते। यह उनकी बड़ी जायज बात है क्योंकि वहां पर ग्रेव

यार्ड था। अब यह कहते हैं कि वक्फ बोर्ड के साथ हम दुबारा खत्तो–किताबत कर लें। अगर वे खुदाई की इजाजत दे देंगे तो हम उनसे बिल्कुल जमीन लेकर इस कालेज के साथ नया साईस विंग शुरू कर सकते हैं लेकिन खुदाई की इजाजत देना न देना वक्फ बोर्ड परं निर्भर करता है, वह सरकार के अधीन नहीं है।

कृषि मन्त्री (श्री तैयब हुसैन): स्पीकर सर, मैं आपसे अर्ज करता हूं कि कब्रें खोदना कानूनन जुर्म है। यहां पर चू कि कब्रें खोदने की बात कंफैस की गयी है इसलिए क्या होम मिनिस्टर साहब इसका नोटिस लेकर कोई मुकद्दमा दर्ज करेंगे?

गृह मन्त्री (प्रो० सम्पत सिंह): अगर कोई लिखित में शिकायत आएगी तो देख लेंगे।

Shri Mangal Sein : Sir, it is an unusual thing that a Minister is asking a question in the House.

Mr. Speaker : Dr. Sahib, he wanted to explain and clarify it.

Irrigation and Power Minister (Shri Verender Singh) : Sir, it is a serious matter. What the member has said, he must clarify that otherwise that should be expunged.

Shri Tayyab Hussain : Sir, it is a confession on the part of the Hon'ble member and appropriate action should be taken in the matter .

कामरेड हरपाल सिंहः स्पीकर साहब, मैं कहना चाहता हूं कि इसकी बाबत इन्क्वायरी करवाई जाए। कांग्रेस की सरकार के टाईम, चौधरी तैयब हुसैन की सरकार के टाईम इस कालेज की बिल्डिंग बनाई गई थी। जिस समय वहां पर कालेज की बिल्डिंग नहीं थी उस समय वहां पर कब्रिस्तान था। इस मामले में इन्क्वायरी करवाईं जाए, यह एक अच्छी बात है। जिन लोगों ने इन कब्रों को उखडवाया था उनके०पर केस चलाए जाएं इससे मैं भी सहमत हूं।

श्री तैयब हुसैनः चाहैं कांग्रेस वाले करें या कोई और करे, कानून तो कानून है। No body is above the law.

श्री दुर्गा दत्त अत्रीः स्पीकर. साहब, माननीय मन्त्री महोदया ने जे०बी०टी० की क्लासिज के बारे में क्लीयर किया है लेकिन जरूरत को देखते हुए हर साल 500–600 लड़के शास्त्री की परीक्षा पास करते हैं। क्या शास्त्री की ओ० टी० खोलने के लिंए कोई प्रावधान है ?

श्रीमती सुषमा स्वराजः अध्यक्ष महोदय, कई जगहों से हमारे पास ओ० टी० की मांग आ रही है। इन प्रस्तावों को हमने अभी विचाराधीन रखा हुआ है और जल्द ही इस बारे निर्णाय ले लिया जाएगा।

श्री कैलाश चन्द शर्माः अध्यक्ष जी, नारनौल में इसी वर्ष एक महिला कालेज शुरू हुआ है। मैं माननीय मन्त्री महोदया से

जानना चाहूंगा कि क्या इस कालेज में साईंस और म्यूजिक दोनों या इन दोनों में से किसी एक की कक्षा शुरू करने का विचार सरकार के विचाराधीन है?

श्रीमती सुषमा स्वराजः जी नहीं। गवर्नमैंट कालेज महैंन्द्रगढ़ में मिलिटरी सांईस, सोशोलोजी, साईकोलोजी, फिजिकल ऐजूकेशन तथा कम्पयूटर साईंस हमसे मांगी हुई हैं। वहां पर अकमोडेशन पूरी नहीं। साइंस की क्लासिज तो इन्होंने मांगी ही नहीं थी।

श्री हजार चन्दः अध्यक्ष महोदय, पिछले सैशन में जे० बी० टी० के 3 सैंटर खोलने का फैसला हुआ था जिनमें से एक सैंटर सिरसा में खोलना था। मैं मन्त्री महोदया से यह जानना चाहूंगा कि एक साल हो गया है लेकिन वहां पर बैटर नही खोला गया है, इसका क्या कारण है?

श्रीमती सुषमा स्वराजः अध्यक्ष महोदय, सवाल तो कालेजों के बारे में है जे० बी० टी० सैंटरों का नहीं। डाईट वाली स्कीम पिछले साल ही शुरू हुई है। चूंकि डाईट का सारे का सारा पैसा सैंट्रल एड से आ रहा है, इसलिए जे० बी० टी० सैटंर्ज खोलने वाली बात है उसको अभी रोक दिया गया है, स्थगित कर दिया गया है। यह सोचा गया कि डाईट के जो सैटर्ज हैं वे खोल दिए जाएं ताकि जे० बी० टी० संस्थान अलग से खोलने के लिए सरकार को पैसा खर्च न करना पड़े।

श्री सुरेन्द्र कुमार मदानः अध्यक्ष महोदय, गवर्नमैंट गर्ल्ज सीनियर सैकेण्डरी स्कूल, कैथल का 27 लाख रुपया पिछले दो साल से मंजूर हुआ पड़ा है लेकिन इसकी बिल्डिग का काम शुरू नहीं किया गया है। मैं माननीय मन्त्री महोदया से यह जानना चाहता हूं कि इस कंस्टैरक्शन वर्क को शुरू न करने का क्या कारण है?

श्रीमती सुषमा स्वराजः अध्यक्ष महोदय, ये गर्वनमैंट गर्ल्ज सीनियर सैकेण्डरी स्कूल कैथल के बारे में कह रहैं हैं कि उसके 27 लाख रुपया तो मन्जूर हैं लेकिन बिल्डिंग अभी नहीं बनी है। इस बार हमें और पैसा कंस्ट्रक्शन के लिए आ रहा है और हम इनके स्कूल की बिल्डिंग का काम शुरू करवा देंगे। इस बारे हमने और ज्यादा पैसे का प्रावधान रखा है। 4 करोड़ 88 लाख रुपया हमारे पास कंस्ट्रक्शन का आ रहा है।

श्री भागी रामः अध्यक्ष महोदय, मैं मन्त्री जी से जानना चाहूंगा कि कालेज बनाते समय या किसी ने अगर प्राईवेट कालेज बना दिया है तो उसको टेक ओवर करते समय कौनसा क्राईटीरिया मद्देनजर रखा जाता है? टोहाना में 28 कनाल जमीन में कालेज बनाया गया है। अभी एक भाई ने कहा है कि होडल में डेढ़ एकड़ में कालेज चल रहा है। अध्यक्ष महोदय, जब हम यहां हाउस में मन्त्री महोदया से बात करते हैं तो यह कहते हैं कि 15 एकड़ जमीन हो, यह हो वह हो और कई जगहों पर कालेज एक या डेढ़ एकड़ में चल रहैं हैं। मैं माननीय मन्त्री महोदया से यह

जानना चाहता हूं कि नये कालेज बनाने का तथा कालेज टेक ओवर करने का क्या क्राईटीरिया है और टोहाना कालेज को बनाते समय क्या क्राईटीरिया अडौप्ट किया गया था?

श्रीमती सुषमा स्वराजः अध्यक्ष महोदय, जहाँ पर नए कालेज खोलने होते हैं वहां पर हम बिल्कुल देखते हैं कि करीब 15 एकड़ जमीन हमारे पास हो और अगर 15 एकड़ न हो तो कम से कम 12 एकड़ तो जरूर हो। अगर 12 एकड़ न हो तो कालेज नहीं खोलते। इन सब बातों का नया कालेज खोलते समय पूरा ध्यान रखा जाता है। अगर हमें नया कालेज खोलने के लिए हुड्डा से जमीन लेनी हो तो 15 एकड़ से कम जमीन नहीं लेते क्योंकि हमें भविष्य की चीजों का भी ध्यान रखना होता है। कल को हमें कालेज में साईन्स रूम खोलना होगा और पापुलेशन बढ़ेगी तो और बच्चे आयेंगे जिसके कारण जगह का भी ख्याल रखा जाता है। जहां तक टेक–ओवर करने का सवाल है, उसके बारे में टेक–ओवर करते समय कई बातों का ध्यान रखते हैं। जहां का मैनेजमैटं बिल्कुल खराब हो जाता है, जहां की प्रबन्ध समितियां इतनी खराब हो जाती हैं कि लैक्चरार को तनख्वाह भी नहीं– दे सकती हों और वहां से बार–बार मांग आती हो तो वहां पर लैक्चरार और बच्चों के भविष्य को सामने रखकर हम कालेज को टेक–ओवर करते हैं। इन सब चीजों को ध्यान में रखकर हमें कई चीजों को दरगुजर भी करना पड़ता है। जहां तक पिछली सरकार का सम्बन्ध है आपने पिछले सवाल में देखा होगा कि अपग्रेडेशन

के समय और टेक–ओवर के समय नौर्मज को बलाएताक रख कर ऐसी–ऐसी लायबिलिटिज हमारी सरकार को दे दी हैं, जहां पर पूरे नौर्मज ही नहीं हैं। वे हमें अब भुगतने पड़ रहैं हैं। उस सरकार ने नौर्मज को सामने नहीं रखा। कोई आधार तैयार नहीं किया। पोलिटिकल माइलेज लेने के लिए उन्होंने इस तरह के स्कूल और कालेजों को अपग्रेड किया।

श्री हीरा नन्द आर्यः अध्यक्ष महोदय, जैसा कि अभी मन्त्री महोदय ने बताया कि डाईट प्रत्येक जिले में खोले जायेगे। मैं आपके द्वारा मन्त्री महोदया से जानना चाहूंगा कि जहां जे०बी० टी० ट्रेनिंग सैटंर खोलने का मुख्य मंत्री ने ऐलान कर दिया, इसे क्या वहीं पर खोला जायेगा या कहीं और? जैसा कि लोहारू में जे०बी०टी० सैन्टर खोलने का मुख्य मन्त्री ने ऐलान किया था। क्या डाईट भिवानी, जिले में लोहारू में ही खोला जायेगा?

श्रीमती सुषमा स्वराजः हां, यह कोई जरूरी नहीं है कि इसे डिस्ट्रिक्ट हैडक्वार्टर पर ही खोला जाएगा। सोनीपत का सैंटर बीसवें मील पर बन रहा है। अगर मुख्य मंदी महोदय ने घोषणा की है तो भिवानी का सैन्टर लोहारू में ही खोला जायेगा।

श्री भागी रामः अध्यक्ष महोदय, हमारे जिले सिरसा में जीवन नगर गांव में गुरु हरि सिंह कालेज प्राईवेट चल रहा है। क्या मन्त्री जी बताएंगी कि उस कालेज के बारे में स्टुडैन्टस और

लोगों की तरफ से शिकायत या मांग आई है कि इस कालेज को टेक–ओवर करें?

श्रीमती सुषमा स्वराजः मेरी जानकारी में ऐसी कोई शिकायत या मांग नहीं है।

डा० बृज मोहनः स्पीकर साहब, किन्डर गार्टन की ट्रेनिंग को पंजाब गवर्नमैटं ने जे० बी० टी० के बराबर अनाउंस किया है। क्या सरकार हरियाणा में भी किन्दर गार्टन की ट्रेनिंग को जे०बी०टी० के बराबर करने के लिए तैयार है?

श्रीमती सुषमा स्वराजः अध्यक्ष महोदय, कालेज से सवाल शुरू होकर किन्डर गार्टन पर आ गया है। (हंसी)

कामरेड हरपाल सिंहः स्पीकर साहब, मैं अपिके माध्यम से पूछना चाहूंगा कि टोहाना कालेज में कौमर्स क्लासिज शुरू करने के बारे में जो आश्वासन दिया है, उसके बारे में हम यह विश्वास कर लें कि वहां इस साल से क्लासिज शुरू कर देंगे?

श्रीमती सुषमा स्वराजः मैं अपने माननीय सदस्य कामरेड हरपाल सिंह को विश्वास दिलाती हूं कि अगले सैशन से वहां कौमर्स की क्लासिज शुरू करवा देंगे।

ई० जगपाल सिंह चौधरीः स्पीकर साहब, पिछले सैशन में चार जे०बी०टी० सैन्टर खोलने का फैसला किया गया था। उनमें से एक नारायणगढ़ के लिए मंजूर हुआ था लेकिन उसे

मोरनी हिल्ज में बदल दिया गया है। क्या मंत्री जी बताएंगी कि उसे नारायणगढ़ में ही खोला जाएगा क्योंकि मोरनी पहाड़ी क्षेत्र है, वहां कोई स्थान नहीं है बोर पांच किलोमीटर पैदल चलना पड़ता है?

श्रीमती सुषमा स्वराजः मोरनी में जो सैन्टर खोला है, वह मोरनी में ही चलेगा। मोरनी के लिए सरकार ने अलग से डिवैल्पमैंट बोर्ड भी बनाया है। यह पिछड़ा हुआ क्षेत्र है इसलिए वहां सैन्टर खोला है।

Plying of Delux Bus from Sonipat to Chandigarh

*** 753. Shri Devi Dass :** Will the Minister of State for Transport be pleased to state—

(a) whether there is any proposal under consideration of the Government to ply a Delux Bus of Sonipat Depot from Sonipat to Chandigarh ; if so ; and

(b) the time by which the aforesaid proposal is likely to be materialized ?

परिवहन राज्य मन्त्री (श्री धर्मबीर सिंह):

(क) नहीं। फिर भी सैमी डीलक्स वीडियो कोच चण्डीगढ़–सोनीपत मार्ग पर चण्डीगढ़ डिपो द्वारा चलाया जाना विचाराधीन है।

(ख) 31 मई, 1989।

श्री मंगल सैनः क्या मन्त्री महोदय बताएंगे कि जब आपने सोनीपत के लिए सैमी डीलक्स वीडियो कोच चलाने की अनायत कर दी तो क्या रोहतक के लिए भी वीडियो कोच चलाने की कृपा करेंगे?

श्री धर्मबीर सिंहः वहां के लिए भी 31 मार्च से पहले–पहले डीलक्स कोच शुरू कर दी जाएगी।

श्री देवी दासः स्पीकर साहब, हमने तो सोनीपत से डीलक्स बस चलाने के लिए कहा था, लेकिन इन्हैंने यह कह दिया है कि सैमी–डीलक्स बस चलाएंगे। क्या मंत्री जी बताएंगे कि इसका क्या कारण है? फिर हमने सोनीपत डिपो से चलाने के लिए कहा था पर इन्होंने यह कहा है कि चण्डीगढ़ डिपो से चलेगी। क्या इसका भी ये कारण बताएंगे?

श्री धर्मवीर सिंहः अध्यक्ष महोदय, डीलक्स बसें पहले ही' दिल्ली और चंडीगढ के रास्ते पर चलाई जा रही हैं। अब सोनीपत से सैमी–डीलक्स बस चलाई जाएगी और वह चंडीगढ़ डिपो की तरफ से होगी।

सेठ लछमन दास बजाजः स्पीकर साहब, मैं आपके माध्यम से मन्त्री महोदय से यह पूछना चाहता हूं कि क्या करनाल डिपो से वीडियो कोच दिल्ली से करनाल और करनाल से चंडीगढ़ के बीच में चलाई जाएगी?

श्री धर्मबीर सिंहः स्पीकर सर, करनाल क्योंकि दिल्ली और चंडीगढ़ के रास्ते पर पड़ता है इसलिए पहले ही इस रास्ते पर वीडियो और सैमी–डीलक्स दोनों ही बसें चल रही हैं।

श्री सुरेन्द्र कुमार मदानः अध्यक्ष महोदय, मैं यह पूछना चाहता हूं कि जो डीलक्स बसिज या वीडियो कोचिज की बौडीज बनवायी जा रही हैं, वह किसी प्राईवेट पार्टी से बनवाई जा रही हैं या हमारी जो हरियाणा रोडवेज की कर्मशाला गुड़गांव में है, उसके द्वारा बनवाई जा रही हैं? अगर वह कोई प्राईवेट पार्टी से बनवाई जा रही हैं तो क्या इनके पास ऐसी कोई शिकायत आई है कि उनमें चादरें कमजोर लगाई जा रही हैं जिनकी वजह से बसिज जल्दी टूट–फूट जाती हैं?

श्री धर्मबीर सिंहः हमारी ट्रांसपोर्ट इंजीनियरिंग कारपोरेशन के द्वारा इनकी बौडीज बनवाई जा रही हैं।

श्री योगेश चन्द्र शर्माः स्पीकर सर, एयर कंडीशन्ड बसिज जो जयपुर तक चलती हैं, उनमें गर्मियों में तो एयर कंडीशनर काम करता है, लेकिन सर्दियों में उनको गर्म रखने के लिए कोई हीटिंग प्वायंट नहीं है। सवारियों से चार्जिज ए० सी० कोच के लिए जाते हैं जबकि सर्दियों के दिनों में ए० सी० यूज नहीं करते, क्या मंत्री जी बताएंगे कि इसका क्या कारण हैं?

श्री धर्मवीर सिंहः स्पीकर साहब, अभी तक ऐसी कोई शिकायत नहीं आई थी। यह शिकायत पहली बार की गई है, इस पर गौर किया जायेगा।

श्री उदय भानः स्पीकर साहब, मैं मन्त्री महोदय से यह पूछनों चाहता हूं कि क्या फरीदाबाद या पलवल से कोई डीलक्स वीडियो कौच चलाने का मामला सरकार के विचाराधीन हैं?

श्री धर्मवीर सिंहः बल्लभगढ़ और फरीदाबाद एक ही जगह है। पहले ही बल्लभगढ़ से यह बस चलाई जा रही है।

श्री मंगल सैनः अध्यक्ष महोदय, क्या मन्त्री महोदय के नोटिस में यह बात है कि सर्दियों में खिड़कियां बन्द नहीं होती और गर्मियों में खुलती नहीं हैं?

श्री धर्मवीर सिंहः मैं डाक्टर साहब से यह गुजारिश करूंगा कि वह जरा यह बता दें कि वे कौन सी खिड़कियों के बारे में कह रहैं हैं? (विघ्न)

श्री कान्ति प्रकाश भल्लाः स्पीकर साहब, पंचकूला का बस–स्टैंड बनकर तैयार हो चुका है। क्या मंत्री जी बताएंगे कि उसे कब चालू करने जा रहैं हैं? अध्यक्ष महोदय, पंचकूला में हरियाणा और चण्डीगढ़ के बहुत से मुलाजिम रहते हैं। लेकिन वहां से बसें बहुत कम चलती हैं। क्या वहां से ज्यादा बसें चलाई जाएंगी?

श्री अध्यक्षः आप एक समय में एक ही सवाल पूछें।

श्री धर्मवीर सिंहः स्पीकर साहब, वैसे तो यह सवाल बसों का था। लेकिन पंचकूला में बस स्टैड तैयार हो चुका है और उसकोरू हम जल्दी ही चालू करने जा रहैं है।

श्री हीरा नन्द आर्यः स्पीकर साहब मंत्री महोदय ने' यह बताया है कि बसिज की बौडीज अपनी कार्पोरेशन से बनवा रहैं हैं। लेकिन यह फैक्ट है कि जो बसें हैं, वह बहुत जल्दी टूट–फूट जाती हैं। क्या मंत्री जी बताएने कि उसका कारण यह तो नहीं है कि बसिज में फर्श, पायदान और बम्पर इत्यादि मे 14 गेज की जगह 18 या 18 गेज की चादरें लगाई जाती हों और इसी तरह से दूसरी जगहों पर भी 16 गेज की बजाय 18 या 20 गेज की इन्फीरियर क्वालिटी की चादरें लगायी जाती हो जिसके कारण बौडी जल्दी खराब हो जाती है?

श्री धर्मबीर सिंहः 14 गेज की जगह 16 या 18 गेज की और 16 गेज की जगह 18 या 20 गेज की चादरें यूज की जा रही हैं, ऐसी कोई शिकायत मुझे नहीं मिली है। अगर कोई बात इनके नोटिस में हो तो यह लिखकर दें, इन्कवायरी करवा ली जाएगी।

श्री कैलाश चन्द शर्माः स्पीकर साहब, पहले नारनौल से एक सैमी–डीलक्स बस चला करती थी, बाद मे उसको बन्द कर दिया गया। क्या उसका समय और रूट बदल कर वाया दिल्ली चलाने के प्रस्ताव पर सरकार विचार करेगी।

श्री धर्मवीर सिंहः उसमें सवारियां बहुत कम आती थीं जिस वजह से रिसीट भर कम थी, इसलिए वह बन्द कर दी गई है।

Mr. Speaker: Question Hour is over.

नियम 45 के अधीन सदन की मेज पर रखे गए तारांकित प्रश्न का लिखित उत्तर

Appointments made in HUDA

***772. Shri Yogesh Chand Sharma :** Will the Minister for Irrigation and Power be pleased to state the category-wise details of appointments made in HUDA during the period from 1c3-1988 to-date together with their complete addresses and mode of their appointment ?

Irrigation and Power Minister (Shri Verender Singh) : A statement giving the detailed information is placed on the Table of the House.

STATEMENT A

The category-wise details of regular appointments made in HUDA between 1-3-1988 and 15-2-1989 are given below :

Sr. No.	Category of post No.	of posts filled
1.	Junior Engineer	5

2.	Assistant Draftsman	21
3.	Horticulture Superevisor	14
4.	Steno-typist	5
5.	Clerk	47
6.	Ferro-Khalasi	3
7.	Peon	11
8.	Sweeper-cum-Chowkidar	5
	TOTAL	111

All these appointments have been made after due sponsorship by the Employment Exchange, except for 2 appointment in the category of Peons namely Sh. Ram Niwas and Sh. Nepal Singh who were appointed being dependents of deceased employees.

The category-wise detail of complete names and addresses of the appointees is as under :—

Sr. No.	Name and complete addresses
	Junior Engineer
1.	Krishan Kumar S/o Sh. Rayat Ram, W. No. 1, Assandh, Distt. Karnal.
2.	Gulab Singh S/o Sh. Roshan Lal, Vill. Naushara, Distt. Ambala.

3.	Ranbir Singh S/o Sh. Surat Singh, V.P.O. Ahulana, Teh. Gohana, Distt. Sonipat.
4.	Mohinder Pal S/o Sh. Parbhu Dayal, V.P.O. Riselu, Teh. Panipat Distt. Karnal.
5.	Devender Kumar S/o Sh. Laxmi Narain, V.P.O. Pinana, Distt. Sonipat.
	Assistant Draftsman (Civil)
6.	Satish Kumar S/o Sh. Subash Chand, V.P.O. Gandhera, Distt. Rohtak.
7.	Inderjit S/o Sh. Neki Ram, V.P.O. Lohar Heri, Teh. Bahadurgarh, Distt. Rohtak.
8.	Ram Rattan S/o Sh. Ram Saran, V.P.O. Paiwan, Tell. Narwana, Distt. Jind.
9.	Deepak Verma S/o Sh. O.P. Verma, H. No. 10, Mohalla Hassan Pura, Bawal, Mohindergarh.
10.	Om Parkash S/o Shri Lal Chand Dalal, V.P.O. Dabodha Kalan, Distt. Rohtak.
11.	Anita Kumari W/o Sh. Shashi Pal, H. No. 2465-A, Sector 20-C,

	Chandigarh.
12.	Lavleen Batra D/o Sh. D.C. Batra, H. No. 15, Sector 11, Chandigarh.
13.	Sunita Taneja D/o Sh, S. D. Taneja, V.P.O. Ram Garh, Distt. Ambala.
14.	Partibha Rani D/o Sh. M.P. Gupta, M/s Goyal Medical Store, Raipur Rani, Distt. Ambala.
15.	Rekha Aggarwal D/o Sh. Rajinder Parshad, 10, Kanch Ghar, Ambala City.
16.	Anita Rani D/o Sh. Shankar Dass, Ahata Murari Lal, Lower Bazar, Kalka, Distt. Ambala.
17.	Ashok Kumar S/o Sh. Chatter Pal Singh, V.P.O. Bihta, Distt. Ambala.
18.	Aruna Tejpal D/o Sh. Puran Parkash, 251, New Prem Nagar, Karnal.
19.	Veena Rani D/o Sh. Ram Dhari, Gali No. 3, Moti Nagar, Behind K.R. Cinema, Karnal.
20.	Ladi Rani D/o Sh. Ved Parkash, 43, Vijay Nagar, Ambala City.

21.	Usha Kiran D/o Sh. Karam Chand, H No. 134, Sector 11, Panchkula.
22.	Ram Kumar S/o Sh. Bhada Ram, V.P.O. Sardheri, Distt. Ambala .
23.	Shamsher Singh S/o Sh. Parlad 'Singh, V.P.O. Tandaheri, Distt. Rohtak.
24.	Raj Singh S/o Sh. Maw Singh, V.P.O. Saga, Distt. Karnal.
25.	Samita Sohal D/o Sh. Nirmal. Singh, H. No. 458, Upper Karari Mohalla, Kalka.
26.	Kanchan Mahajan D/o Sh. Baldev Mahajan, 70/VIII,Saidan Mohalla, Sahabad.
	Horticulture Supervisors
27.	Rajbir Singh S/o Sh. Kartar Singh, Vill. Targarh, P.O. Kitchana Distt. Kurukshetra.
28.	Sunder Pal Singh S/o Sh. Girraj Singh, H. No. 460/9, Shiv Puri, Gurgaon.
29.	Narender Singh S/o Sh. Mange Ram, Vill. Nagagoad, P.O. Bikener.

	Distt. Mohindergarh.
30.	Nauraty Ram S/o Sh. Budh Ram, V.P.O. Jathlana, Distt. Kurukcshetra.
31.	Vinod Kumar S/o Sh. Yad Ram, V. P.O. Dunejerwas,Distt. Mahend ergarh .
32.	Jagvir Singh S/o Sh. Zila Singh, V.P.O. Patti Kalyana, Distt. Ambala.
33.	Naresh Kumar S/o Sh. Randhir Singh, H. No. 22/331, West Ram Nagar, Near C.R.Z. High School, Sonipat.
34.	Om Singh S/o Sh. Gopi Ram, V.P.O. Hathwala, Distt. Jind.
35.	Ashok Kumar S/o Sh. Dharam Pal Singh, H. No. 19, Farm Colony, Barwala Road, Near Auto Market, Hisar.
36.	Bijender Singh S/o Sh. Daryao Singh, V.P.O. Sampla, Distt. Rohtak.
37.	Surinder Kumar Gulia S/o Sh. Sube Singh, Vill. Lodpur, P.O. Bali, Distt. Rohtak.
38.	Ramesh Kumar S/o Sh. Siri Chand, V.P.O. Shekh Pur, Distt, Sonipat.
39.	Raj Singh S/o Sh. Mane Singh, Near P.W.D. (B&R) Office, Kharkhoda, Distt. Sonipat.

40.	Veer Bhan S/o Sh. Chuni Ram, V.P.O. Sahoo, Distt. Hisar.
	Stenoctypists
41.	Ram Pal S/o Sh. Nand Lal, V.P.O. Juglan, Distt. Hisar.
42.	Miss Neelam Kumari D/o Sh. Lachman Dass, E-78P Area, Nilokheri, Distt. Karnal.
43.	Ram Pal S/o Sh. Maghi Ram, V.P.O. Dhanana, Distt. Ambala.
44.	Mohinder SinghS/o Sh. Moti Ram,Vill. NasibPur, P.O. Barkoda, Distt. Mohindergarb.
45.	Miss Promila D/o Sh. P.C. Chauhan, Vill. Kakroli, P.O. Toda, Distt. Ambala.
	Clerks
46.	Suresh Kumar S/o Sh. Maha Singh, Vill. Pumbri, P.O. Nilokheri, Distt. Karnal.
47.	Ami Chand S/o Sh. Sewa Ram, V.P.O. Pasora, Distt. Ambala.
48.	Rattan Singh S/o Sh. Bhagwan Singh, V.P.O. Nangli Godha, Distt. Mohindergarh.
49.	Surya Parkash S/o Sh. Bachi Ram, H. No. 48, Housing Board Colony, Sonipat.

50.	Santosh Kumari D/o Sh. Hukam Chand, V.P.O.Nangthala, Distt. Hisar.
51.	Dharambir Singh S/o Sh. Jai Karan, V.P.O. Bhatol Jattan, Distt. Hissar.
52.	Krishan Kumar S/o Sh. Puran Mal, V.P.O. Dhakla, Jhajjar.
53.	Parveen Kumar S/o Sh. Arjun Singh, Lovely Emporium, Pehowa.
54.	Smt. Krishna Devi W/o Sh. Naresh Kumar, H. No. 733, Behind Bhagat Singh Park, Sirsa.
55.	Yashwant Kumar S/o Sh. Harphool Singh, V.P.O. Juglan, Distt. Hisar.
56.	Anil Kumar S/o Sh. Bhagwan Dass, H. No. 2159, Kacha Bazar, Ambala Cantt.
57.	Miss Veena Kumari D/o Sh. Gopi Chand, Multan Nagar Colony, Hansi, Hisar.
58.	Suresh Kumar S/o Sh. Parkash Chand, H. No. 247, Sector 23, Faridabad.
59.	Raj Kumar S/o Sh. Prithvi Singh, H. No. 2697/15, Panchkula.
60.	Satbir Singh S/o Sh. Diwan Singh, Vill. Kamesh Khera, P.O. Molvi, Distt. Jind.

61.	Harsh Kumari D/o Sh. Atam Parkash, Upper Mohalla, Morni, Distt. Ambala.
62.	Miss. Shashi Khanna D/o Sh. Sohan Lal, H. No. 342, W. No. 2, Sat Narain Ki Gali, Kalka, Distt. Ambala.
63.	Avtar Singh S/o Sh. Sher Singh, V.P.O. Kaula Pur, Distt. Kurukshetra.
64.	Pushpa Devi D/o Sh. Parkash Lal, H. No. 19, W. No. 10, Mohalla Siwania. Sadhaura, Distt. Ambala.
65.	Miss Asha Gandhi D/o Sh. Om Parkash, H. No. 292, Siwan Gate, Kaithal.
66.	Satbir Singh S/o Sh. Lakhi Ram, V.P.O. Dobh, Distt. Rohtak.
67.	Narain Singh S/o Sh. Lal Chand, V.P.O. Barwasni, Distt. Sonipat.
68.	Miss Nirmala D/o Sh. Krishan Lal, H. No. 789/20, DLF Colony, Rohtak,
69.	Smt. Anita Kumari W/o Sh. Virender Kumar, H. No. 258, Defence Colony, Hisar.
70.	Baldev. Singh S/o Sh. Lehna Singh, Vill. Thinverhari, P.O. Hassanpur, Distt. Kurukshetra.
71.	Nathi Ram S/o Sh. Babu Ram, Vill. Umar Pur, P.O. Garhi

	Birbal, Distt. Karnal.
72.	Jawahar Singh S/o Sh. Ram Chand, Vill. Kolly,P.O. Ballabgarh, Distt. Faridabad.
73.	Dharam Pal S/o Sh. Ganta Ram, V.P.O. Hajam Pur, Distt. Hisar.
74.	Sultan Singh Sib Sh . Kanshi Ram, V.P.O. Sadalpur, Distt. Hisar.
75.	Jai Parkash S/o Sh. Deep Chand, V.P.O. Baghpur, Distt. Rohtak.
76.	ZakirHussain S/o Sh. Deen Mohd., Vill. Khanpur Ghali, P.O. Pinangadan, Distt. Gurgaon.
77.	Ghansham Dass S/o Sh. Jiwan Ram, H. No. 361/22, Jawahar Nagar, Palwal, Distt. Faridabad.
78.	Ishwar Singh S/o Sh. Phool Singh, V.P.O. Kharkhoda, Distt. Sonipat.
79.	Pala S/o Sh. Rulia Ram, V.P.O. Sambhli, Distt. Karnal.
80.	Miss Veena Kumari D/o Sh. Karam Chand, Vill. Patla, P.O. Jakhauli, Distt. Sonipat.
81.	Rajinder Singh S/o Sh. Dhan Singh, Vill. Alipura, P.O. Karshindhu, Distt. Jind.

82.	Sham Sunder S/o Sh. Amir Chand, Dua Niwas, School Road, Jagadhari.
83.	Smt. Veena Rani W/o Sh. Ramesh Luthra, Library, Haryana Civil Secretariat, Chandigarh.
84.	Miss Raj Rani D/o Sh. Paras Ram, 26/1, Ram Nagar, Karnal.
85.	Raj Pal S/o Sh. Tej Singh, Vill. Naushara, P.O. Sadhaura, Distt. Ambala .
86.	Rajbir Singh S/o Sh. Shis Ram, V.P.O. Balu, Distt. Jind.
87.	Ram Kishan S/o Sh. Parbhati Ram, H. No. 495/16, Priti Nagar, Hisar.
88.	Smt. Shashi Bala W/o Sh.-Rajinder, V.P 0. Bithmara, Distt. Hisar.
89.	Ram Kumar S/o Sh. Ramji Lal, V.P.O. Lukhi, Distt. Kurukshetra.
90.	Ram Krishan S/o Sh. Sahi Ram, V.P.O. Doblan, Teh. Narwana, Distt. Jind.
91.	Balbir Singh S/o Sh. Chandgi Ram, Nizampur Majra, P.O. Farmana.
92.	Sohan Lal S/o Sh. Kesha Ram, Mohalla Rageron, Ellenabad, Distt. Sirsa .

	Peons
93.	Siya Ram S/o Sh. Jatti Ram, Vill. Khanoda, P.O. Naina Dhose, Distt. Kurukshetra.
94.	Bhim Singh S/o Sh. Uday Singh, V. P.O. Palra, Distt. Gurgaon.
95.	Piara Ram S/o Sh. Ramji Lal, V.P.O. Jandli, Distt. Ambala City, P.O. Model Town.
96.	Ram Niwas S/o Late Sh. Lachhi Ram, V. P .O . Khadwali, Distt. Rohtak.
97.	Dal Singh S/o Sh. Kadam Singh, Vill. Kalal Majri, P.O. Kakkar Majra, Teh. Naraingarh, Distt. Ambala.
98.	Kundan Lal S/o Sh. Girdhari Lal, H. No. 160, Sector 9, Panchkula.
99.	Sehdev S/o Sh. Moji Ram, H. No. 53/13, Extension Urban Estate, Karnal.
100.	Suraj Parkash S/o Sh. Shiv Lal, V .P.O . Budhera, Distt. Gurgaon.
101.	Mohinder Singh S/o Sh. Rishal. Singh, Vill. Sultan Pur, Teh. Hansi, Distt. Hisar.
102.	Ram Phal Singh S/o Sh. Mangla Ram, V.P.O. Habet Pur, Teh. Hansi, Distt. Hisar.

103.	Nepal Singh. S/o Sh. Hasmal, Old Faridabad.
	Ferro Khalasi
104.	Balbir Singh S/o Sh. Din Dayal , V.P.O. Jurala, P.O. Patli, Distt Gurgaon.
105.	Kuldip Singh S/o Sh. Bikram Singh, Vill. Mahesh Pur, P.O. Panchkula, Distt. Ambala.
106.	Dharam Pal S/o Sh. Chottu Ram, Vill, Ramayan, P.O. Dhandheri, Distt. Hisar.
	Sweeper-cum Chowkidar
107.	Vinod S/o Sh. Ram Kishan, V.P.O. Farrukh Nagar, Distt. Gurgaon.
108.	Billu S/o Sh. Kapoor Chand, 121/Barrak No. 47, Ram Nagar, Karnal.
109.	Rajinder Parshad S/o Sh. Kalu Ram, V.P.O. Nangthala, Distt. Hisar .
110.	Rajinder Singh S/o Sh. Siri Ram, V.P.O. Karwari, Teh. Hansi, Distt. Hisar.
111.	Nirmal Singh S/o Sh. Jeeta Singh, Vill. Saketri, P.O. Manimajra, Distt. Ambala.

अतारांकित प्रश्न एवं उत्तर

Construction of Over-bridge at Rewari-Jhajjar road

122. Shri Raghu Yadav : Will the Minister for P.W.D. (B&R) be pleased to state—

(a) whether there is any proposal under consideration of the Government to construct an over-bridge on Delhi-Rewari Railway line at Rewari-Jhajjar road; and

(b) if so, the time by which the above said bridge is likely to be constructed ?

लोक निर्माण मन्त्री (भी ओम प्रकाश भारद्वाज):

(क) जीं हां।

(ख) रेलवे विभाग ने उक्त कार्य को अपने 1989–90 के वर्क्स प्रोग्राम में शामिल नहीं किया है। इसलिए इस कार्य के निर्माण के लिए कोई समय निर्धारित नहीं किया जा सकता।

Construction of Ramgarh-Rewari road

123. Shri Raghu Yadav : Will the Minister for P.W.D. (B&R) be pleased to state—

(a) whether the work for the construction of link road connecting village Ramgarh with Rewari City has been completed ; and

(b) if not, the reasons therefor togetherwith the time by which the said construction work is likely to be

completed ?

लोक निर्माण मंत्री (श्री ओम प्रकाश भारद्वाज):

(क) नहर पर बनने वाले एक पुल के छोटे गैप को छोड्कर, सड़क का निर्माण पहले ही हो चुका है।

(ख) इस पुल का निर्माण कार्य धन उपलब्ध होने की अवस्था में शीघ्राति–शीघ्र हाथ में लिया जाएगा तथा उसे पूरा किया जाएगा।

Advertisements to Newspapers

124. Shri Raghu Yadav : Will the Chief Minister be pleased to state the names of daily newspapers (Hindi, English, Urdu, Punjabi and others) to which advertisements have been released by the Government during the period from 1st January, 1988 to 31st December, 1988 tocgetherwith the amount given for advertisements to the said newspapers, separately ?

मुख्य मन्त्री (चौधरी देवी लाल): सरकार द्वारा 1 जनवरी, 1988 से 31 दिसम्बर, 1988 तक जिन दैनिक समाचार पत्रों (हिन्दी, अंग्रेजी, उर्दू, पंजाबी एवं अन्य) को विज्ञापन दिये गये हैं, उनके नाम तथा दिये गये विज्ञापनों की राशि का ब्योरा संलग्न अनुबन्ध ''क'' में दिया गया है।

अनुबन्ध 'क' दैनिक समाचार पतों (हिन्दी, अंग्रेजी, उर्दू, पंजाबी व अन्य) को 1 जनवरी, 1988 से 31 दिसम्बर, 1988 तक जारी किए गए विज्ञापनों की राशि का

विवरण :–

रुपये

क्रम संख्या	समाचार पत्र का नाम	विज्ञ राशि
	हिन्दी समाचार पत्र	
1.	दैनिक ट्रिब्यून, चण्डीगढ़	8,2
2.	जनसत्ता, चण्डीगढ़	1,2
3.	जनसत्ता, दिल्ली	1,0
4	जनसत्ता, चण्डीगढ/दिल्ली	5
5.	पंजाब केसरी, जालन्धर	9,0
6.	पंजाब केसरी, दिल्ली	6,0
7.	पंजाब केसरी, जालन्धर/दिल्ली	9,5
8.	नवभारत टाईम्ज, दिल्ली	3,4

9.	नवभारत टाईम्ब (हरियाणा संस्करण), दिल्ली	6,3
10.	हिन्दुस्तान (हिन्दी), दिल्ली	7,2
11	वीर प्रताप, जालन्धर	7
12.	हिन्दी मिलाप, जालन्धर	1
13.	वीर अर्जुन, दिल्ली	1,6
14.	दैनिक पायलट, भटिण्डा	5
15.	शिवालिक सन्देश, चण्डीगढ़	
16.	भारत जननी, रोहतक	3
17	मेवात, गुड़गांव	1
18.	हड़ौती अधिकार, फरीदाबाद	9
19.	दैनिक चेतना, भिवानी	1
20.	राजस्थान पत्रिका, जयपुर/कोटा/उदयपुर/जोधपुर	26
21.	आर्य वर्ता, पटना	
22.	अमर उजाला, आगरा, मेरठ, बरेली	2
23.	भारत देश हमारा, पटियाला	2

24.	विश्व मानव, मेरठ	1
25.	नव भारत टाईम्ज, लखनऊ	2
28.	नभ छोर, हिसार	1
27.	धड़कन, चण्डीगढ़	1
28.	स्वतन्त्र विश्व मानव, करनाल	8
29.	बन्दे मातरम्, दिल्ली	18,
30.	जगत क्रान्ति, जीन्द	1
31.	अग्रवाल राजनीति, सोनीपत	2
32.	शेरे हरियाणा, फरीदाबाद	2
33.	नव ज्योति, कोटा/ अजमेर/जयपुर	1
34.	विश्व मित, कलकत्ता	7
35.	नवभारत, इन्दौर/भोपाल/कानपुर/बिलासपुरा/जबलपुर/रायपुर	2
36.	सन मार्ग, कलकत्ता	7
37.	परीक्षित, कलकत्ता	5
38.	जन पथ समाचार, सीलीगड़ी (आसाम)	5

39.	नई दुनिया, इन्दौर	1
40.	आज, वाराणासी / गोरखपुर / कानपुर / पटना / रांची	2
41.	जगरण,कानपुर / मोरखपुर / लखनऊ / वराणासी / झांसी / मेरठ / आगरा	4
42.	भारत प्रभा, चन्डीगढ़	
43.	दैनिक भास्कर भोपाल	2
44.	मेरठ समाचार, मेरठ	1
45.	हिमाचल टाईम्ज, करनाल	1
46.	हिमप्रभा, चण्ढीगढ	
47.	लोकमत, बीकानेर	
	अंग्रेजी समाचार पत्र	
1.	ट्रिब्यून, चण्डीगढ़	21,
2.	इण्डियन एक्सप्रैस, चण्डीगढ़	5,9
3.	इण्डियन एक्सप्रैस, दिल्ली	3,2
4.	इण्डियन एक्सप्रैस, दिल्लीा?चष्ठीगढु	16,
5.	इण्डियन एक्सप्रैस, दिल्लीा?बम्बई	1,0

6.	इण्डियन एक्सप्रैस, साउदरन एडीशन, मद्रास	7
7.	ईण्डियन एक्सप्रैस, आल एडीशनज	4,4
8.	टाईम्ज आफ इण्डिया, दिल्ली	7,4
9	टाईम्ज आफ इण्डिया, बम्बई	3
10.	टाईम्ज आफ इण्डिया, दिल्ली/बम्बई	1,5
11.	हिन्दुस्तान टाईम्ज, दिल्ली	9,6
12.	स्टेट्स मैन, दिल्ली	1,9
13	स्टेट्समैन, कलकत्ता	8
14.	स्टेट्समैन, दिल्ली/कलकत्ता	4
15.	पैट्रियाट, दिल्ली	1,8
16.	नैशनल हैराल्ड, दिल्ली	4
17	अमृत बाजार पत्रिका, कलकत्ता	1
18.	इकनोमिक टाईम्ज, दिल्ली	1,3
19.	इकनोमिक टाईम्ज, दिल्ली/बम्बई	2
20.	इकनोमिक टाईम्ज, दिल्ली/बम्बई /बंगलौर/कलकत्ता	1,3

21.	फाईनेशियल एक्सप्रैस, दिल्ली/बम्बई	9
22.	हिन्दू, मद्रास	8
23.	पाईनर, लखनऊ	2
24.	राजस्थान पत्निका, जयपुर	
25.	फ्री प्रैस जनरल, बम्बई	
26.	पंजाब मेल, चण्डीगढ़	7
27.	इवनिंग न्यूज, दिल्ली	
28.	बिजनैस इण्डिया, कलकत्ता	1
29.	हिमाचल टाईम्ज, करनाल	
	उर्दू समाचार पत्र	
1.	हिन्द समाचार, जालन्धर	1,9
2.	प्रताप, जालन्धर	5
3.	मिलाप, जालन्धर	3
4.	मेहनत, जालन्धर	1
5.	प्रताप, दिल्ली	9

6.	मिलाप दिल्ली	4
7.	तेज, दिल्ली	2
8.	कौमी आवाज, दिल्ली	9
9.	इनदिनों, दिल्ली	3
10.	आजाद हिन्द, कलकत्ता	4
	पंजाबी समाचार पत्र	
1.	पंजाबी ट्रिब्यून, चण्डीगढ़	6
2.	जगबाणी, जालन्धर	5
3.	अजीत, जालन्धर	4
4.	अकाली पत्निका, जालन्धर	4
5.	नवा जमाना, जालन्धर	4
6.	रणजीत, पटियाला	1
7.	चढदी कलौ, पटियाला	3
8.	धडल्लेदार, पटियाला	1
9.	पंथ खालसा, पटियाला	7

10.	पंथक समाचार, दिल्ली	5
11.	जत्थेदार, दिल्ली	6
12.	एजूकेटर, दिल्ली	1
13.	दैनिक तीर कमान, पटियाला	
	अन्य भाषायी समाचार पत्र	
1.	तरुण भारत, नागपुर	1

Raising of Income Limit

125. Shri Raghu Yadav : Will the Minister for Education be pleased to state whether there is any proposal under consideration of the Govt. to raise the income limit of the Employees of Education Department for giving the Scholarship to their children; if so, the details thereof ?

खाद्य तथा पूर्ति मंत्री (श्रीमती सुषमा स्वराज): ऐसी कोई स्कीम नहीं है जिसके अनुसार हरियाणा शिक्षा विभाग के कर्मचारियों के बच्चों को छात्रवृति दी जाती हो। अतः आय सीमा बढ़ाने का प्रश्न उत्पन्न नहीं होता।

ध्यानाकर्षण प्रस्ताव–

उबूआ, नवादा, भाकरी, फिरोज गाँधी नगर, जवाहर कालोनी तथा एन० आई० टी० सैक्टर 3,2,1, बल्लभगढ़ आदि के निवासियों द्वारा कठिनाईयों का सामना करने सम्बन्धी

Mr. Speaker : Hon'ble Members, **I** have received a notice of calling attention motion No. 9 from Shri Mahender Partap Singh, M.L.A., regarding difficulties being faced by the residents of Ubua, Nawada, Bhakari, Feroz Gandhi Nagar, Jawahar Colony and N.I.T. sector 3,2,1 etc. I admit it. वे अपना नोटिस पड दें और उसके बाद सम्बन्धित मंत्री स्टेटमैंट देना चाहैं तो दे दें।

चौधरी महैंन्द्र प्रताप सिंहः अध्यक्ष महोदय, मैं इस महान सदन का ध्यान फरीदाबाद के लगभग ढाई लाख शहरी लोगों के उत्पीड़न की ओर दिलाना चाहता हूं। यहां तकरीबन 12– 14 वर्ष पूर्व फरीदाबाद के बिल्कुल सटा हुआ कोई 100 एकड़ जमीन में पावर हाउस के राख के पानी के डिस्पोजल के लिए एक बाँध बनवाया गया था जो आज तक तकरीबन 20 फुट राख से भरा हुआ है। जनता के काफी दबाव के बाद डेढ़ दो वर्ष पूर्व बाँध को वहां से बदल दिया गया था। परन्तु एक डेड वर्ष से सूखी हुई सीमेंट जैसे राख में उबूआ, नवादा, भाकरी, फिरोज गांधी नगर, जवाहर कालोनी, एन० आई० टी० सैक्टर 3,2,1 आदि और यहां तक बल्लभगढ़ की जनता भी इस नारकीय जीवनं से बची हुई नहीं है। जिस समय जरा भी तेज हवा पश्चिम से चलती है वहां से पैदल तो दूर व्हीकल का गुजरना भी मुश्किल हो जाता है। खाना बनाना व खाने तक के लिए लोग तरस रहैं हैं। सवेरे सो कर उठने के बाद थूकने पर राख निकलती है इस प्रकार मानवीय जीवन के साथ खिलवाड़ किया जा रहा है। बिजली बोर्ड के डेढ़

दो वर्ष के अनेक आश्वासनों के बाद उस पर 9'' मिट्टी डालने का ठेका एक ऐसी पार्टी को दिया गया है जो 2– 3 माह में 20 लाख के मिट्टी डालने के काम के नाम पर रोजाना 20–25 ट्रक मिट्टी शी नहीं डाल रहा। इस काम पर कोई कुल 4–5 ट्रक इस्तेमाल किये जा रहैं हैं क्योंकि अपने ही इन ट्रकों से काम ज्यादा लम्बा दिखा कर तमाम पैसे को मिल कर चुकता किया जा सके। अतः यह एक जन–जीवन का जीवन–मौत का अति आवश्यक मुद्दा है। अगर तुरन्त इसका इन्तजाम नहीं किया गया तो लाखों की जनता फेफड़ों आदि की भयंकर बीमारी की शिकार हो जाएगी। इसलिए सरकार सदन में समयबद्ध समस्या के निराकरण हैंतु आश्वासन व विवरण दे ताकि भविष्य में जनता को मौत के साये से बचाया जा सके।

वक्तव्य–

सिंचाई तथा बिजली मंत्री द्वारा उपरोक्त ध्यानाकर्षण प्रस्ताव सम्बन्धी

Irrigation & Power Minister (Shri Verender Singh) : The first unit of Faridabad Thermal Power Projects (3x60 MW) was commissioned in 1975. 73 acres of land was taken for ash disposal from Rehabilitation department about 5.5 kms. away from the project site, which itself was away from the township. The ash in the form of slurry was deposited in the disposal area and for discharging of water in river Yamuna a 3 kms. long drain was constructed. This drain was cleared of the ash which got settled in it from time to time and as was

transported through trucks to some far off pits.

The disposal area has since been filled to capacity and a new disposal area about 2.5 kms. farther away from this disposal area between two ridges comprising of 153 acres has been acquired by HSEB and the ash slurry is now pumped into the new disposal area.

In the course of time several abadis have come up in the vicinity of the old disposal area and the drain. During dry season the ash particles are carried by wind and create health hazard of the village settlements around this area. HSEB has taken up a project to close this entire old disposal area by laying 8" thick layer of earth on the entire surface and then plant grass and shrubs on it so as to arrest and eliminate the flying of ash with the wind. This contract for Rs. 20,10,200/- has been awarded in December, 1988. According to the terms of the contract, the work of putting earth layer has to be completed by March, 1989 and the grassing to be completed by April, 1989. It is also stipulated in the contract that while work of grassing is going on, continuous sprinkling with water on grass will be done by the Contractor so that the grass starts growing before the onset of monsoons in 1989. There are suitable penalty clauses in case of default by the contractor.

It has been reported that 800 truck loads of earth have already been laid by the contractor out of the total of 15,000 truck loads to be laid by him. However, the contractor has now fully geared up for work and it is expected that the work of earth laying will be completed by March, 1989 as scheduled. For sprinkling of water on grass two tubewells had

been bored and out of which one has already been commissioned . HSEB is fully cognizant of the problems of people and all steps to solve them in time are being taken.

चौधरी महैंन्द्र प्रताप सिंहः अध्यक्ष महोदय, मैंने अपने प्रस्ताव में भी जिकर किया है कि वर्तमान चेयरमैन महोदय ने तो तत्काल कदम उठाते हुए, अपनी तरफ से कोई कोताही न करते हुए, कम्पनी को ठेका दे दिया लेकिन आज माननीय मन्त्री महोदय ने जो स्टेटमैंट में दर्शाया है उसके बारे में तो मैं कुछ नहीं कहना चाहता। लेकिन यह जो थर्मल ऐश डैम पहले से ही शहरी आबादी से 5 5 किलोमीटर की दूरी पर दिखाया गया है क्या इस बात की जांच करवाई गयी थी कि वाकई यह थर्मल ऐश डैम शहरी आबादी से 5.5 किलोमीटर दूरी पर ही है? अगर दूरी कम है तो दोषियों के खिलाफ कोई कार्यवाही करेंगे?

श्री वीरेन्द्र सिंहः स्पीकर सर, मेरे जवाब में यह साफ लिखा हुआ है कि जिस समय हमारा फरीदाबाद का थर्मल प्लांट कमिशन किया गया था। उस समय वह जगह 5.5 किलोमीटर की दूरी पर थी लेकिन अब साथ–साथ नई आबादिया हो जाने के कारण वह जगह नजदीक हो गई है। उस समय यह फासला 5 5 किलोमीटर ही था।

चौधरी महैंन्द्र प्रताप सिंहः अध्यक्ष महोदय, क्या मन्त्री महोदय बताएंगे कि जब यह थर्मल–प्लांट कमिशन किया गया था उस वक्त क्या यह थर्मल प्लांट शहरी आबादी से साढ़े पांच

किलोमीटर की दूरी पर ही था? अगर यह थर्मल प्लांट गल्त ढंग से कमिशन किया गया है, तो क्या इस बात की जांच करवाएगे?

श्री वीरेन्द्र सिंहः अवश्य करवाएंगे।

चौधरी महैंन्द्र प्रताप सिंहः अध्यक्ष महोदय, इस के लिये मैं इनको दोषी नहीं मान रहा लेकिन जिस ढंग से वहां काम चल रहा है, वह बहुत ही सुस्त तरीके से चल रहा है। अभी तो उस जगह पर 10– 10, 15–15 हजार ट्रक मिट्टी के पड़ने हैं। वहां काफी काम बकाया है। जिस स्लो स्पीड से वहां पर काम चल रहा है, उस ढंग से तो जो इन्होंने मार्च तक काम समाप्त होने का ऐग्रीमैंट कर रखा है, मेरे विचार में तो यह काम मार्च तक पूरा होना सम्भव नहीं है। लेकिन सरकार के ऐग्रीमैंट के अनुसार यह काम मार्च तक पूरा हो जाना चाहिये। क्या मन्त्री महोदय दोबारा इस हाउस में इस तरह का आश्वासन देने की कृपा करेंगे कि यह काम मार्च–अप्रैल तक पूरा कर दिया जाएगा?

श्री वीरेन्द्र सिंहः स्पीकर सर, आज सरकार औन दी फलोर औफ दी हाउस यह आश्वासन देती है कि मार्च, 1989 तक यह काम पूरा होगा। केवल 5– 10 दिनों का इधर–उधर हों सकता है।

श्री मंगल सैनः स्पीकर साहब, मेरे तीन काल अटैन्शन मोशनज डिफरैन्ट डेट्स पर दिये हुए थे, उनका क्या बना?

Mr. Speaker : Dr. Sahib, Zero hour is already over.

You can enquire about it tomorrow.

सदन की मेज पर रखे गये कागज–पत्र

श्री अध्यक्ष: अब मिनिस्टर साहब टेबल औफ दी हाउस पर पेपर्ज ले करेंगे।

Irrigation and Power Minister (Shri Verender Singh) : Sir, I beg to lay on the Table-

1. The 8th Annual Report and Accounts of Haryana State Handloom & Handicrafts Corporation Limited for the year 1983c84, as required under Section 619 (A) (3) (b) of Companies Act, 1956.

2. The Annual Report of Haryana Financial Corporation for the year 1987-88, as required under Section 38 (3) of the State Financial Corporations Act, 1951.

3. The 20th Annual Report and Accounts of Haryana Agro-Industries Corporation Limited for the year 1986c87, as required under Section 619 (A) (3) (b) of the Companies Act, 1956.

4. The 17th Annual Report of Haryana State Small Industries & Export Corporation Limited for the year 1983-84, as required under Section 619 (A) (3) (b) of the Companies Act, 1956.

5. The 18th Annual Report of Haryana State Small Industries 4 Export Corporation Limited for the year 1984c85, as required under Section 619 (A) (3) (b) of the Companies Act, 1956.

6. The 19th Annual Report of Haryana State Small Industries & Export Corporation Limited for the year 1985c86, as required under Section 619 (A) (3) (b) of the Companies Act, 1956.

7. The 20th Annual Report of Haryana State Small Industries & Export Corporation Limited for the year 1986c87, as required under Section 619 (A) (3) (b) of the Companies Act, 1956.

8. The Annual Report of Haryana State Board for the Prevention & Control of Water Pollution for the year 1980-81, as required under Section 39(2) of Water (Prevention & Control of Pollution) Act, 1974.

9. The Annual Report of Haryana State Board for the Prevention & Control of Water Pollution for the year 1981c82, as required under Section 39 (2) of Water (Prevention & Control of Pollution) Act, 1974.

10. The Annual Report of Haryana State Board for Prevention & Control of Water Pollution for the year 1982-83, as required under Section 39 (2) of Water (Prevention & Control of Pollution) Act, 1974.

11. The Annual Report of Haryana State Board for the• Prevention & Control of Water Pollution for the year 1983-84, as required under Section 39 (2) Water (Prevention & Control of Pollution) Act,1974.

12. The Annual Report of Haryana State Board for the Prevention & Control of Water Pollution for the year 1984-85, as required under Section 39 (2) of Water (Prevention &

Control of Pollution) Act, 1974.

13. The Annual Report of Haryana State Board for the Prevention & Control of Water Pollution for the year 1985-86, as required under section 39 (2) of Water (Prevention & Control of Pollution) Act, 1974.

वर्ष 1988–89 के सप्लीमैंटरी ऐस्टीमेट्स पेश करना

श्री अध्यक्ष: अब फाइनैसं मिनिस्टर वर्ष 1988–89 के सप्लीमैंटरी एस्टीमेट्स प्रैजैटं करेंगे।

उप–मुख्य मन्त्री (श्री बनारसी दास गुप्ता): माननीय अध्यक्ष महोदय, मैं वर्ष 1988– 89 के अनुपूरक अनुमान प्रस्तुत करता हूं।

ऐस्टींमेट्स कमेटी की वर्ष 1988– 89 के सप्लीमैंटरी ऐस्टीमेट्स पर रिपोर्ट पेश करना

श्री अध्यक्ष: अब श्री मनी राम, चेयरमैन, ऐस्टिमेट्स कमेटी, वर्ष 1988–89 के सप्लीमैंटरी ऐस्टिमेट्स पर कमेटी औन ऐस्टिमेट्स की रिपोर्ट पेश करेंगे।

Shri Mani Ram (Chiarman. Estimates Committee) : Sir, I beg to present the Report of the Committee on Estimates on the Supplementary Estimates for the year 1988-89.

श्री अध्यक्ष: अब हाउस कल सुबह 9.30 बजे तक एडजर्न किया जाता है।

10.35 बजे

(तत्पश्चात सदन बुधवार, दिनांक 1–3– 1989 प्रातः 9. 30 बजे तक स्थगित हुआ।)